thelioncity_30_may_2025.qxd 5/29/2025 8:53 PM Page 1

दैनिक द लॉयन सिटी

RNI. No. MPHIN/2020/90449

प्रधान सम्पादक - जगदीश रायचंदानी

सम्पादक - कमलेश रायचंदानी

वर्ष-6 | अंक-93 | भोपाल, शुक्रवार 30 मई 2025 | www.thelioncitynews.com TLcNewsNetwork@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया क्राफ्टरूट्स हस्तशिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ

पारम्परिक शिल्पकला, आत्मनिर्भरता व स्वावलंबन का आधार है:मुख्यमंत्री

भोपाल. राजधानी भोपाल के हाट बाजार में गुरुवार से क्राफ्ट रूट्स संस्था की हस्तशिल्प प्रदर्शनी शुरू हो चुकी है। इसका उद्घाटन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया है। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि क्राफ्ट पर जीएसटी का कोई मतलब नहीं है। इसलिए सरकार को हस्तशिल्प क्राफ्ट पर जीएसटी टैक्स नहीं लगाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी आग्रह किया कि जो कारीगर अपना सामान लेकर लंबी यात्राएं करके ट्रेन और बस से प्रदर्शनी में पहुंचते हैं, उनके लिए सरकार को सहायता करनी चाहिए ताकि वे अपने बच्चों की शिक्षा में निवेश कर सकें।

सरकार ने कुटीर उद्योग क्षेत्र में लगातार काम किया

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद हमने लगातार लघु, कुटीर और बड़े औद्योगिक क्षेत्रों पर काम किया है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक लोग आत्मनिर्भर बनें। सरकार कारखाना लगाने वालों को भवन अनुदान के साथ-साथ महिलाओं को ?5000 प्रतिमाह की सहायता भी प्रदान कर रही है।

मोदी जी ने रखा संस्था का नाम

इस दौरान राज्यपाल ने बताया कि 25 वर्ष पूर्व अहमदाबाद में ग्राम श्री संस्था की स्थापना की गई थी, जिसका नाम खुद नरेंद्र मोदी ने रखा था। यह संस्था महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्यरत है। मेरी बेटी भी इस संस्था से जुड़ी हुई है, और आज यह एक परिवार का रूप ले चुकी है।मोदी जी ने वर्षों पहले यह विचार दिया था कि जब भी कुछ खरीदें, तो एक खादी वस्त्र जरूर खरीदें आज खादी का बाजार करोड़ों को रोजगार दे रहा है। राज्यपाल ने सुझाव दिया कि हर घर में कोई न कोई हस्तशिल्प उत्पाद अवश्य होना चाहिए, जो हमारी संस्कृति को दर्शाए और कारीगरों को रोजगार दे। उन्होंने मध्य प्रदेश के अपने भ्रमण के अनुभव साझा करते हुए कहा कि महेश्वरी साड़ी बनाने वालों से बातचीत में उन्हें मालूम पड़ा कि उन्हें धागा कोलकाता से लाना पड़ता है.

एयर फोर्स चीफ बोले

एक भी डिफेंस प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं

कॉन्ट्रैक्ट करते समय पता होता है, पूरा नहीं होगा; फिर ऐसे वादे क्यों करना

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने गुरुवार को डिफेंस सिस्टम की खरीद और डिलीवरी में हो रही देरी पर कहा कि ऐसा एक भी प्रोजेक्ट नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। ये सोचने वाली बात है कि हम ऐसा वादा क्यों करते हैं, जिसे पूरा ही नहीं किया जा सकता। कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही पता होता है कि ये समय पर नहीं होगा, फिर भी साइन कर देते हैं, जिससे पूरा सिस्टम खराब हो जाता है। यह पहला मौका है जब किसी सेना प्रमुख ने सिस्टम पर इस तरह से सवाल उठाया हो। CII एनुअल बिजनेस समिट में एयर चीफ मार्शल ने कहा;-टाइमलाइन एक बड़ा मुद्दा है। समय से डिफेंस प्रोजेक्ट पूरा न होने की वजह से ऑपरेशनल तैयारी पर असर पड़ता है। इससे पहले 8 जनवरी को भी एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने तेजस लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी को लेकर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि 40 जेट अभी तक फोर्स को नहीं मिले हैं। जबकि चीन जैसे देश अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं।

आज की जरूरत आज ही पूरी करनी होगी

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि हमें आज के लिए तैयार रहना होगा, तभी भविष्य के लिए भी तैयार हो सकेंगे। आने वाले 10 साल में इंडस्ट्री से ज्यादा आउटपुट मिलेगा, लेकिन जो जरूरत आज है, वो आज पूरी होनी चाहिए। हम सिर्फ भारत में मैन्युफैक्चरिंग के बारे में बात नहीं कर सकते। हमें डिजाइनिंग के बारे में भी बात करनी होगी। हमें सेना और इंडस्ट्री के बीच भरोसे की जरूरत है। हमें बहुत खुलापन दिखाने की जरूरत है। एक बार जब हम किसी चीज के लिए प्रतिबद्ध हो जाते हैं, तो हमें उसे पूरा करना चाहिए।

भोपाल में नायब तहसीलदार पर महिला ने फेंकी स्याही

बैरागढ़ तहसील में घुसकर किया हंगामा

भोपाल। *भोपाल के बैरागढ़ वृत्त में पदस्थ नायब तहसीलदार रतिराम अहिरवार पर एक महिला ने स्याही फेंक दी। जमीन विवाद के एक प्रकरण को लेकर महिला दफ्तर में पहुंची थी। घटना गुरुवार साढ़े 4 बजे की है। उस समय नायब तहसीलदार ऑफिस में काम निपटा रहे थे। तभी एक महिला दफ्तर में पहुंची और हंगामा किया। कोहेफिजा पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया है।*

जमीन के कब्जे से जुड़ा है मामला

नायब तहसीलदार अहिरवार ने बताया, महिला उपासना जौहरी है। निशातपुरा में मकान के कब्जे से संबंधित एक मामला है। हाईकोर्ट से कार्रवाई नहीं करने को लेकर स्टे है। हाईकोर्ट के आदेश के चलते पाबंद है। महिला कार्रवाई करने का कह रही थी। आज शाम को ऑफिस में स्टाफ के साथ काम निपटा रहा था। तभी वह स्याही की शीशी लेकर आई। हम शीशी देख नहीं पाए। बात करते-करते वह नाराज हो गई और कहने लगी कि आप लोगों का मुंह काला करना चाहिए। इसके बाद उसने स्याही फेंक दी।

बंगाल में गजरे मोदी

पाकिस्तान समझ ले, 3 बार घुसकर मारा

अब आतंकी हमला हुआ तो कीमत चुकानी होगी; टीएमसी नेता गरीबों से कट-कमीशन मांगते

गंगटोक/कोलकाता. पीएम मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में करीब 32 मिनट का संबोधन दिया। पीएम ने अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान, ममता सरकार के भ्रष्टाचार और केंद्र की नीतियों का जिक्र किया। पीएम ने कहा, पाकिस्तान समझ ले 3 बार घर में घुसकर मारा है। हम शक्ति को पूजने वाले लोग हैं। बंगाल टाइगर की धरती से 140 करोड़ भारतीयों का ऐलान है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। राज्य की सत्ताधारी पार्टी TMC पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि, केंद्र की बीजेपी सरकार देशभर में गरीबों को पक्के घर दे रही लेकिन यहां लाखों परिवारों का घर नहीं बन पा रहा है क्योंकि टीमएसी के लोग इसमें भी गरीब के पास से कट और कमीशन की मांग कर रहे हैं। पीएम को आज तीन राज्यों में जाना था। सिक्किम दौरा रद्द होने के बाद वे पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार पहुंचे। यहां सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी। शाम को पीएम बिहार जाएंगे। शाम 5-45 बजे पटना एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का इनॉगरेशन करेंगे। फिर रात में राजभवन में रुकेंगे।

पाकिस्तान की सेना आतंकियों का सहारा लेती है

उन्होंने कहा, जब सीधा युद्ध लड़ा जाता है, तब उसकी हार तय होती है, उसकी पराजय निश्चित होती है। यही कारण है कि पाकिस्तान की सेना आतंकियों का सहारा लेती है। पहलगाम हमले के बाद अब भारत ने दुनिया को बता दिया है कि अगर अब भारत पर आतंकी हमला हुआ, तो दुश्मन को उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान समझ ले, तीन बार घर में घुसकर मारा है तुम्हे। बंगाल की इस धरती से ये 140 करोड़ भारतीयों का एलान है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

आतंक और नरसंहार पाकिस्तानी सेना की सबसे बड़ी एक्सपरटाइज

उन्होंने कहा, आतंक को पालने वाले पाकिस्तान के पास दुनिया को देने के लिए कुछ भी सकारात्मक नहीं है। जब से वो अस्तित्व में आए हैं, तब से ही उसने सिर्फ आतंक को पाला है। 1947 में बंटवारे के बाद से ही उसने भारत पर आतंकी हमला किया। कुछ सालों के बाद उसने यहां पड़ोस में आज के बांग्लादेश में जो आतंक फैलाया, पाकिस्तान की सेना ने जिस प्रकार बांग्लादेश में दुष्कर्म और हत्याएं कीं, वो कोई भूल नहीं सकता। आतंक और नरसंहार पाकिस्तानी सेना की सबसे बड़ी एक्सपरटाइज है। यहां लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और पाकिस्तान के दुस्साहसों का जिक्र किया। उन्होंने बतायास कि कैसे भारत ने तीन पाकिस्तान को उसके घर में घुसकर मारा।

बढ़ा कोविड पॉजिटिविटी रेट

बढ़ रहा नया एनबी.1.8.1 वैरिएंट डब्ल्यूएचओ ने किया अलर्ट

जिनेवा, एजेंसी

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 वायरस की फिर से बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक फरवरी 2025 के मध्य से दुनियाभर में SARS-CoV-2 वायरस की गतिविधि में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार कोविड टेस्ट में पॉजिटिविटी रेट 11प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो जुलाई 2024 के बाद सबसे अधिक है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि यह बढ़ोतरी विशेष रूप से ईस्टर्न मेडिटेरेनियन , साउथ-ईस्ट एशिया, वेस्टर्न पैसिफिक के क्षेत्रों में देखी जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि 2025 की शुरुआत से कोरोना वैरिएंट्स के ट्रेंड में थोड़ा बदलाव आया है। एलपी 8.1 वैरिएंट घट रहा है। जबकि एनबी.1.8.1 को निगरानी वैरिएंट की श्रेणी में रखा गया है, इसके केस तेजी से बढ़ रहे हैं। मई 2025 के मध्य तक यह वैरिएंट दुनियाभर में रिपोर्ट किए गए कुल जीनोमिक सीक्वेंसेस का 10.7 प्रतिशत बन चुका है।

मौसमी पैटर्न स्पष्ट नहीं

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मौजूदा संक्रमण स्तर पिछले साल के इसी समय जैसी ही स्थिति को दर्शाते हैं, डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि अब तक कोविड-19 के प्रसार में कोई स्पष्ट मौसमी पैटर्न नहीं दिखा है। इसके अलावा अभी भी कई देशों में निगरानी की व्यवस्था सीमित है, जो एक चिंता का विषय है।

भारी मात्रा में हथियार बरामद

सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी एलईटी के दो आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने शोपियां जिले में एलईटी के दो हाईब्रिड आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया है। शोपियां में गिरफ्तार किए गए लश्कर के इन आतंकियों के नाम इरफान और उजैर हैं। सुरक्षाबलों ने आतंकियों के कब्जे से 2 एके-56, 4 मैग्जीन, 102 जिंदा कारतूस, 2 हैंड ग्रेनेड, कैश, मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच और आधार कार्ड जब्त किया है।

कैसे पकड़े गए आतंकी?

लश्कर के इन आतंकियों को को पकडऩे के लिए 44 आरआर और 178 बीएन सीआरपीएफ द्वारा विशेष इनपुट के बाद एसआजी शोपियां द्वारा बसकुचन में एक ऑपरेशन लॉन्च किया गया था। आतंकियों को पकडऩे से पहले इलाके को पूरी तरह से घेर लिया गया था। पास के एक बाग में आतंकवादियों की आवाजाही देखी गई थी। सुरक्षाबलों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई के कारण दो लश्कर हाइब्रिड आतंकवादियों- इरफान बशीर और उजैर सलाम ने सरेंडर कर दिया और इस कारण संभावित मुठभेड़ टल गई। आतंकियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। इस बारे में आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी।

एंट्री देने से किया इनकार

घुसपैठियों पर भारत के एक्शन से बौखलाया बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत द्वारा अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने की कार्रवाई पर बांग्लादेश के नेताओं और सुरक्षा एजेंसियों ने कड़ी आपत्ति जताई है। बांग्लादेश ने इसे अपनी संप्रभुता पर हमला और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। दरअसल, मंगलवार को भारत ने 67 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा, जबकि बुधवार सुबह 13 लोग भारत-बांग्लादेश सीमा के जीरो लाइन पर फंसे रहे। बांग्लादेश सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 26 मई को गीदड़भभकी देते हुए कहा कि भारत द्वारा अवैध नागरिकों को धकेलना स्वीकार्य नहीं है और यदि आवश्यकता पड़ी तो सेना भी कार्रवाई के लिए तैयार है। बुधवार सुबह बीजीबी और स्थानीय ग्रामीणों ने बीएसएफ द्वारा 57 लोगों को लालमोनिरहाट जिले के छह अलग-अलग बॉर्डर पॉइंट्स से धकेले जाने की कोशिश को नाकाम कर दिया। पश्चिम बंगाल की सीमा लालमोनिरहाट से सटी हुई है।

अवैध घुसपैठियों की संख्या चिंताजनक

2016 में तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में जानकारी दी थी कि भारत में लगभग 2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। इस वर्ष 30 अप्रैल तक लगभग 100 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को बीएसएफ ने बांग्लादेश सीमा सुरक्षा बल को सौंपा है।

इंदौर मेंप्रज्ञा कहा-

मुसलमानों ने हिंदुओं पर आक्रमण किया, हिंदू भी करें

इंदौर। पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने गुरुवार को इंदौर में कहा- पहलगाम में हिंदुओं की जाति पूछकर, हिंदुओं का धर्म पूछकर, हिंदुओं की परीक्षा लेकर बहनों और माताओं का सुहाग उजाड़ा है। ऐसे आतंकवादी हमले को, नरसंहार को हम सीधा सा कहेंगे कि मुसलमानों ने हिंदुओं पर आक्रमण किया है। अगर ऐसे आक्रमण होते हैं तो हिंदू भी मुसलमानों पर और मुसलमान आतंकवादियों पर आक्रमण करें। ऐसा हमारा आह्वान है। प्रज्ञा करणी सेना की पराक्रम यात्रा में शामिल होने पहुंची थीं। वे जिस समय यह बयान दे रही थी, उस समय भाजपा विधायक रमेश मेंदोला और अन्य पदाधिकारी भी थे। प्रज्ञा ने कहा कि देश की जो परिस्थितियां हैं, उनमें जिस प्रकार से हमें आज खड़े हो जाना चाहिए, आज हमें खड़े होना पड़ेगा। मुगलों से जिस तरह से युद्ध किया था, वह पराक्रम कोई कम नहीं था। हमें उस समय भी मुगलों से युद्ध लड़ना पड़ा था। लेकिन परिस्थितियां आज भी वही हैं कि हमारे देश को काटने के लिए मुगल सक्रिय हैं। आपने देखा होगा कि पहलगाम में किस तरह से नरसंहार किया। ऐसा नहीं कहना चाहिए कि आतंकवादी थे, पाकिस्तान के तो पूरे ही आतंकवादी हैं।

उपलब्धि

लंबी दूरी के स्टेल्थ ड्रोन में होगा इस्तेमाल, छोटे फाइटर प्लेन में भी लगाने का प्लान

भारत में बने कावेरी इंजन की रूस में फ्लाइंग टेस्टिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत में बने कावेरी जेट इंजन की फ्लाइंग टेस्टिंग डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) रूस में कर रहा है। ये रियल सिचुएशन में इंजन की कैपेसिटी आंकने के लिए अहम है।

अधिकारियों ने बताया इंजन पर करीब 25 घंटे का परीक्षण होना बाकी है। स्लॉट मिलने पर टेस्टिंग की जाएगी। इसकी कैपेसिटी शोकेस के लिए इसे एक लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) में लगाने का प्लान है। शुरुआत में कावेरी इंजन को तेजस जैसे स्वदेशी एलसीए में लगाने का प्लान था, लेकिन प्रोग्राम में देरी के चलते तेजस में अमेरिकी इंजन जीई-404 लगाया गया। इस इंजन को अब भारत में बने लंबी दूरी के घातक अनमैंड एयर व्हीकल (यूएवी) यानी स्टेल्थ ड्रोन की पावर बढ़ाने के लिए फिर से तैयार किया जा रहा है। कावेरी 80 किलो न्यूटन (केएन) थ्रस्ट (पावर) वाला एक लो बाईपास, ट्विन स्पूल टर्बोफैन इंजन है। बेहतर मैनुअल कंट्रोल के लिए इसमें ट्विन-लेन फुल अथॉरिटी डिजिटल इंजन कंट्रोल (एफएडीईसी) सिस्टम लगाया गया है। हाई स्पीड और हाई टेम्प्रेचर के दौरान इंजन का पावर लॉस कम करने के लिए इसे फ्लैट-रेटेड डिजाइन किया गया है। इस तकनीक में इंजन की थ्रस्ट लिमिट उसके मैक्सिमम पॉइंट से कम पर फिक्स कर दी जाती है। (शेष पेज 8 पर)

2035 के बाद तेजस में लगाने का प्लान

कावेरी 2.0 पर भी प्लानिंग चल रही है। 2035 के बाद तेजस मार्क-ए में अमेरिका के जेई-404 इंजन की जगह कावेरी 2.0 को लगाने का प्लान है। यह 90 केएन थ्रस्ट वैरिएंट होगा। जीटीआरई ने इसके लिए फंड मांगा है।

सिर्फ 4 देशों के पास फाइटर जेट इंजन बनाने की तकनीक

दुनिया में पहली बार साल 1930 में जेट इंजन का पेटेंट कराया गया था। 95 साल बाद भी दुनिया के सिर्फ चार देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस ही लड़ाकू विमान के इंजन बना पाते हैं। चीन ने कुछ जेट इंजन जरूर बनाए हैं, लेकिन वो भी नकल यानी रिवर्स इंजीनियरिंग करके। आज भी चीन अपने लड़ाकू विमानों के लिए इंजन रूस से लेता है। लड़ाकू विमान का इंजन बनाना कितना पेचीदा है, इसे हम सबसे ज्यादा उड़ान भरने वाले बोइंग 747 जैसे नागरिक विमान के इंजन से समझ सकते हैं। इसके एक इंजन में 40 हजार कलपुर्जे होते हैं। यह 1400 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो जाता है। वहीं, लोहा पिघलने के लिए 1538 डिग्री सेल्सियस तापमान की जरूरत होती है। ऐसे में इन पुर्जों को काम का बनाए रखना बड़ी चुनौती होती है।

thelioncity_30_may_2025.qxd 5/29/2025 8:53 PM Page 2

छात्रों से की गई अवैध वसूली

प्रभारी प्राचार्य अपने किस आका के सह पर जमकर कर रहा भ्रष्टाचार

शहडोल खन्नौधी वैसे तो सरकार भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए बड़े-बड़े दावा करती है किंतु आज भी शासकीय कार्यालय में भ्रष्टाचार अपने चरम सीमा पर है, बात उन दिनों की है जब माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल के द्वारा विद्यालयों में कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा फॉर्म भरे जाते हैं तब छात्रों को उपस्थिति के आधार पर नियमित अथवा स्वाध्यायी किया जाता है, किन्तु विद्यालय का परीक्षा परिणाम सुधारने हेतु कमजोर छात्रों को स्वाध्यायी कर दिया जाता है और प्रवेश पत्र देने के नाम पर छात्रों से अवैध वसूली के लिए भी मजबूर किया जाता है पैसा ना देने पर प्रवेश पत्र देने से मना कर दिया जाता है!

बात है शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खन्नौधी के प्रभारी प्राचार्य कि जो लगातार 18 वर्षों से एक ही विद्यालय पर उच्चतर माध्यमिक शिक्षक,विषय –अंग्रेजी के पद पर कार्यरत है एवं कोर्ट के स्थगन आदेश पर प्रभारी प्रचार्य के कुर्सी पर अपना पउआ जमाये हुए हैं,ये अध्ययन अध्यापन से कोशो दूर बदले मे अपने विषय को पढ़ाने हेतु अतिथि शिक्षक की व्यवस्था किए हुए हैं विगत वर्ष उनके विषय का परीक्षा परिणाम 30ब से भी कम रहा जिसे लिपा पोती कर शासन की नजर से छुपाया गया इस वर्ष भी अंग्रेजी विषय का परीक्षा परिणाम सभी विषयो से कम रहा जो कहीं ना कहीं अध्यापन कार्य पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है,इनके द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम की भी धज्जियां उड़ाई जाती हैं यदि कोई आवेदक सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत किसी जानकारी हेतु आवेदन करते हैं तो उन्हें दबाया धमकाया जाता है या फिर नियमों की आड़ दिखाकर उनके आवेदन को निरस्त कर दिया जाता है, यह अधिनियम इसलिए लागू किया गया है ताकि सरकारी कामकाजों में पारदर्शिता रहे लोग सूचनाये प्राप्त कर सकें ताकि भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सके और अधिकारियों कर्मचारियों की जवाबदेही तय हो, लेकिन प्रभारी प्राचार्य के कार्यालय में तकरीबन 20 से अधिक आवेदन लंबित है! इतना हीं नहीं कुछ आवेदन तो देखकर लेने से ही इनकार कर दिया जाता है! सूचना उपलब्ध नहीं कराए जाने पर लोगों को कहना है कि अपनी गड़बड़ियों को छुपाने के लिए जानबूझकर जानकारी को दबाने पर लगे रहते हैं!

सम्बल योजना की राशि का गवन

मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार के द्वारा सन 2018 में मुख्यमंत्री जन कल्याण (सम्बल) योजना प्रारंभ की

गई जिसके अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा का परीक्षा शुल्क माफ किया जाता है,प्रभारी प्राचार्य विष्णु कुमार मिश्रा के द्वारा भी शुल्क तो माफ़ कराई जाती है किन्तु माफ किया गया शुल्क छात्रों को वापस प्रदाय नहीं किया जाता जिन छात्रों के परिजन जानकार हैं या जिनके द्वारा शुल्क बार बार मांगा जाता है, उन्हें वापस किया जाता है! शेष छात्रों के शुल्क गवन कर लिया जाता है कक्षा दसवीं में तो लाखों रुपए का शुल्क छात्रों को वापस प्रदान नहीं किया गया कई छात्रों के द्वारा सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत करने पर उन्हें गाली गलौज करते हुए मजबूरी मे वापस किया गया! अतिरिक्त लाभ लेने कि चक्कर मे शासकीय कर्मचारियों के बच्चों के भी संबल योजना के तहत शुल्क मुक्त कर दिया जाता है!यदि इसका गहन जांच हो तो यह एक बड़े भ्रष्टाचार के रूप में उभर कर आ सकती है! छात्रों के परिजनों से अभद्र व्यवहार किया जाता है जिससे छात्रों के परिजन प्राचार्य से मिलने मे भय महसूस करते हैं और लोगों का कहना है कि उनके ऊपर किसी बहुत बड़े अधिकारी का हाथ है इसीलिए यह इतने वर्षों से प्राचार्य के पद पर बने हुए हैं ।

अब देखना यह है कि इस बड़े भ्रष्टाचार की जांच होती है और लोगो को इस भय से मुक्ति मिलती है या इसे भी ठंडा बस्ते में डाल दिया जाता है।

लगातार चल रहा समझाइश अभियान

हेलमेट लगाने को किया जा रहा है जागरूक

शहडोल। बता दें कि इन दोनों यातायात विभाग द्वारा सड़क किनारे तिराहे चौराहे में टेंट लगाकर समझाइस अभियान चला रहे हैं, इस अभियान में केवल यह बताया जा रहा है कि हेलमेट लगाए और साथ ही 10 मिनट बैठ कर समझाने के साथ साथ व्हाट्सएप ग्रुप में भी जोड़ा जा रहा है जिससे हेलमेट न लगाने से आए दिन हो रहे दुर्घटनाओं के वीडियो फोटो व्हाट्सएप ग्रुप में आते रहे हैं, आए दिन हो रही दुर्घटनाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक शहडोल ने एक अच्छी पहल जारी की है जिसमें हेलमेट न लगाने वाले को समझाया जाए एवं हो रही दुर्घटनाओं को लेकर भी बताया जाए अभी तक तो टू व्हीलर वालों को समझाया जा रहा था अब फोर व्हीलर और बस को भी रोक कर उन्हें सीट बेल्ट से लेकर अन्य विषय को लेकर भी जानकारी दी जा रही है।

असली हॉलमार्क के साथ बेचा 17 लाख का नकली सोना

» मैहर में बैंक मैनेजर और महिला ने सराफा व्यापारी के साथ की धोखाधड़ी

मैहर संवाददाता रामकुमार रजक

मैहर में एक सराफा व्यापारी के साथ 17 लाख रुपए की धोखाधड़ी सामने आई है। मध्यांचल बैंक के मैनेजर और एक महिला ने मिलकर व्यापारी को नकली सोना बेच दिया। इस मामले में सराफा व्यापारी संघ ने पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की है।

घटना 8 मई की है। मैहर के घंटाघर के पास स्थित सराफा की दुकान पर दोपहर 4ः30 बजे एक महिला पहुंची। उसने अपना नाम पूजा सिंह बताया। कहा कि वह विवेका नगर मैहर की रहने वाली है। उसके साथ मध्यांचल बैंक के मैनेजर जगरूप प्रसाद भी थे।

बैंक मैनेजर ने दुकान मालिक को बताया कि पूजा सिंह का सोना बैंक में गिरवी रखा है। महिला इसे छुड़ाने में असमर्थ है। मैनेजर ने बैंक की गारंटी देते हुए कहा कि सारा सामान हॉलमार्क का है। उन्होंने यह भी बताया कि इसकी जांच मैहर में करवाकर ही बैंक में गिरवी रखा गया था।

बैंक मैनेजर की बात पर विश्वास कर दुकान मालिक ने हॉलमार्क के आधार पर सोना खरीद लिया। कुछ दिन बाद जब दुकान मालिक ने सोने की जांच हॉलमार्क सेंटर में करवाई तो पता चला कि सोना नकली है, लेकिन उस पर लगा हॉलमार्क असली है।

सराफा व्यापारी ने 18 मई को मैहर थाने में शिकायत दर्ज कराई। कोई कार्रवाई नहीं होने पर सराफा व्यापारियों ने बुधवार शाम को पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा है।

आधार ई-केवाईसी अपडेट के लिए दो केंद्रों पर भारी भीड़, मैहर में 50 किमी दूर से आ रहे लोग

» सीमित टोकन से कई लोग लौट रहे खाली हाथ

मैहर संवाददाता रामकुमार रजक

मैहर में आधार कार्ड सेंटर की कमी से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिले में केवल दो आधार सुधार केंद्र हैं- एक मैहर तहसील में और दूसरा पोस्ट ऑफिस में।

इन केंद्रों पर 50 किलोमीटर दूर तक के क्षेत्रों से लोग आधार कार्ड अपडेट और सुधार के लिए आ रहे हैं। सुबह से ही केंद्रों के बाहर लंबी कतारें लग जाती हैं। गर्मी में महिलाएं छोटे बच्चों के साथ घंटों केंद्र खुलने का इंतजार करती हैं। केंद्रों पर सीमित संख्या में टोकन दिए जाते

हैं। इस कारण कई लोगों को बिना काम के वापस लौटना पड़ता है। अगले दिन फिर उन्हें लंबी कतार में लगना पड़ता है। राशन दुकान के विक्रेताओं ने स्पष्ट किया है कि आधार ई-केवाईसी के बिना राशन वितरण संभव नहीं होगा। इसी कारण जिले भर से लोग ई-केवाईसी अपडेट कराने केंद्रों में पहुंच रहे हैं। भीड़ इतनी अधिक होती है कि केंद्र खुलने के कुछ घंटों में ही दिन का कोटा पूरा हो जाता है और लोग परेशान होकर वापस लौट जाते हैं। नगर के समाजसेवियो ने मैहर कलेक्टर से और ई आधार केवायसी आधार कार्ड सेन्टर खोलें जाने की मांग की है।

सांवरिया सेठ स्वरूप में दिये न्यायाधीश सूर्यपुत्र शनिदेव भगवान ने भक्तों को दर्शन

उज्जैन। हरसिद्धि चौराहा स्थित श्री सूर्यपुत्र शनिदेव मंदिर पर प्रभु श्री शनिदेव भगवान के जन्म उत्सव के पावन पर्व पर प्रभु ने अपने भक्तों को सांवरिया सेठ स्वरूप में दर्शन दिए। श्री सूर्यपुत्र शनिदेव मंदिर पर प्रभु शनि देव जन्मोत्सव पर 20वां विशाल भंडारा, महा आरती एवं छप्पन भोग का आयोजन मुख्य पुजारी ज्योतिष आचार्य पंडित कैलाशचंद जोशी के नेतृत्व में किया गया। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष राजू नागर परिवार द्वारा प्रभु को 56 भोग लगाए गए एवं मुख्य पुजारी श्री जोशी को साफा बांधकर सम्मानित किया गया। मंदिर पुजारी परिवार द्वारा सभी भक्तगणों को पंछा पहनाकर सम्मानित किया गया। महा आरती का भार शुभम पंचोली ने संभाला। जिसमें हजारों भक्तों ने आरती की और धर्म लाभ प्राप्त किया। श्री सूर्य पुत्र शनिदेव मंदिर के मुख्य पुजारी ज्योतिष आचार्य पंडित कैलाशचंद जोशी एवं पुजारी दिनेश जोशी, पुजारी कृष्ण जोशी, पुजारी राज जोशी, पुजारी निहाल जोशी ने सफल आयोजन पर सभी भक्तगणों का आभार माना। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल, संयुक्त ब्राह्मण सामाजिक कल्याण समिति से राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट अजय शंकर तिवारी, महिला अध्यक्ष रेखा दीदी एवं उनकी टीम, राजू नागर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रमिला यादव, पार्षद गब्बर भाटी, समाज सेविका नीलू वर्मा, गौ रक्षक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. भंवर सिंह चौधरी, डॉ अनिल जीनवाल, महंत निलेशानंद तिवारी आदि उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र समाज ने मनाई स्वातंत्र्य वीर सावरकर की जयंती

उज्जैन। प्रखर क्रांतिकारी एवं विचारक स्वातंत्र्य वीर सावरकर की जयंती पर महाराष्ट्र समाज उज्जैन द्वारा मुनिनगर दो तालाब स्थित सावरकरजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए हर्षवर्धन सिंह कुशवाह जिलाध्यक्ष भा.ज.यु.मो. ने वर्तमान की युवा पीढी को वीर सावरकरजी के जीवन चरित्र से एवं उनके बलिदान से प्रेरणा प्राप्त करने का आह्वान किया। प्रदीप जोग के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में गोविंद गंधे निदेशक कालिदास अकादमी, विजय केवलिया, पार्षद आभा कुशवाह, समाज अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, पूर्व अध्यक्ष अशोक गुलजकर, राजश्री जोशी, डॉ हरिसिंह कुशवाह, सदाशिव नायगावकर, जितेंद्र आपटे, सुशील मुले, रवींद्र मूले, मिलिंद पन्हालकर, संजय दिवटे, मनोज कार्लेकर, रमेश खरे, चिपलूनकरजी, व्यासजी, अष्ठीकरजी, करंदीकर जी, तुषार, आलोक, शिंदेजी, जय प्रताप सिंह, परिहारजी, पांडे जी, कर्पे ताई, साठे ताई, सुचित्रा ताई सहित बड़ी संख्या में समाजजनों ने वीर सावरकरजी का श्रद्धापूर्वक स्मरण एवं नमन किया।

रायसेन सर्किट हाउस में नवनियुक्त अधिवक्ता अध्यक्ष गिरजेश कुशवाहा और मीडिया प्रभारी थान सिंह मालवीय का भव्य स्वागत

रायसेन। रायसेन जिले में आज गौरवपूर्ण क्षण तब देखने को मिला जब नवनियुक्त अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता संघ के रायसेन जिला अध्यक्ष गिरजेश कुशवाहा और संस्कार सेना के प्रदेश मीडिया प्रभारी थान सिंह मालवीय का भव्य स्वागत समारोह सर्किट हाउस परिसर में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जिले के प्रमुख पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दोनों नवचयनित पदाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। पुष्पमालाओं और सम्मान पत्रों के माध्यम से उनके योगदान और जिम्मेदारियों को

सराहा गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने गिरजेश कुशवाहा के न्याय क्षेत्र में सक्रिय योगदान और थान सिंह मालवीय की मीडिया में सशक्त भूमिका की जमकर सराहना की। जनप्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि दोनों पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में जिले का नाम रोशन करेंगे और जनता की समस्याओं के समाधान हेतु प्रतिबद्ध रहेंगे।

गिरजेश कुशवाहा ने अपने संबोधन में संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए न्याय प्रणाली को जनहितकारी बनाने की प्रतिबद्धता जताई, वहीं थान सिंह मालवीय ने पारदर्शी व सकारात्मक मीडिया संवाद की दिशा में कार्य करने का संकल्प दोहराया। इस आयोजन से जिले में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने भी इसे एक प्रेरणास्पद क्षण बताया और दोनों नवप्रभारी नेताओं को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर विशेष रूप से महेंद्र तोमर, तिलक शाक्य, वारेलाल सूर्यवंशी,अशोक सोनी, उपेंद्र गौतम,बबलू वर्मा, मलखान सिंह ठाकुर, विनीत सिंह रघुवंशी, कृष्ण किशोर सोनी, मुन्ना लाल विश्वकर्मा, महेश लोधी, अधिवक्ता राकेश नामदेव सम्मिलित हुए!

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से दिए निर्देश कलेक्टर स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की हर माह समीक्षा करें

शहडोल। मुख्य सचिव अनुराग जैन वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए प्रत्येक जिले में दल गठित करके उनके भ्रमण का रूट चार्ट तैयार कर दें। अभियान का मंत्रीगणों, सांसद, विधायक तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से समारोहपूर्वक शुभारंभ कराएं। किसानों को विशेषज्ञ दल खेती के आधुनिक तकनीक, पराली प्रबंधन तथा कृषि विविधीकरण की जानकारी दें। खाद के संतुलित उपयोग तथा स्वाइल हेल्थ कार्ड के संबंध में भी किसानों को जागरूक करें। सभी जिलों में सड़क सुरक्षा समिति की हर माह बैठक आयोजित कर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, ब्लैक स्पॉट में सुधार तथा राहवीर योजना के

क्रियान्वयन की समीक्षा करें। अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठकों का भी नियमित आयोजन करें। इसमें राहत राशि के प्रकरणों को स्वीकृत करके पीड़ितों को राहत राशि का भुगतान करें। समग्र पोर्टल में हितग्राहियों के ई केवाईसी सत्यापन तथा डुप्लीकेट के नाम पृथक करने की कार्यवाही भी संतोषजनक नहीं है। ई केवाईसी अपडेशन 30 जून तक अनिवार्य रूप से पूरा करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर विभिन्न विभागों के कार्यों तथा महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की हर माह समीक्षा करें। इसमें मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण के प्रयासों, एनीमिया पर नियंत्रण एवं टीकाकरण पर विशेष ध्यान दें। परामर्श दात्री समिति की भी हर माह बैठक आयोजित कर अधिकारियों-कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर उनकी कठिनाईयों का निराकरण करें। वनाधिकार अधिनियम के तहत दर्ज किए गए दावों में से अभी भी पूरे प्रदेश में बड़ी संख्या में दावे लंबित हैं। अधिनियम के तहत गठित समिति की बैठकें आयोजित कर इन दावों का निराकरण कराएं। पात्र व्यक्ति को भू अधिकार पत्र जारी करें तथा अपात्र के दावे अमान्य करें। अधिनियम के तहत सामुदायिक दावों पर भी समुचित कार्यवाही करें। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को आगामी वर्षाकाल में बाढ़ से बचाव एवं राहत के लिए समुचित तैयारी के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि ई आफिस प्रणाली 55 विभागों में लागू हो गई है। इससे समय की बचत होने के साथ फाइलों के निराकरण में तेजी आई है। इसे शीघ्र ही तहसील स्तर तक लागू किया जाएगा। सभी अधिकारी मिशन कर्मयोगी योजना तहत अधिकारियों और कर्मचारियों को दक्षतावर्धन का प्रशिक्षण दिलवाकर उनकी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराएं। प्रदेश भर में 5 जून से एक पेड़ माँ के नाम अभियान शुरू किया जा रहा है। कलेक्टर अन्य विभागों से समन्वय बनाकर वृक्षारोपण की तैयारी सुनिश्चित कर लें। इस वर्ष भी 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। प्रदेश के 10 प्रमुख पर्यटन स्थलों में इस दिन सार्वजनिक स्थलों पर योगाभ्यास के कार्यक्रम होंगे। जिला और विकासखण्ड स्तर तक योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्थानों का चयन करके समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में 15 भाई बहनों ने ली गुरु दीक्षा

उज्जैन। नेवरी में मातृशक्ति द्वारा पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित किया गया। जिसमें करीब 200 ग्रामवासी एवं गायत्री परिजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम संयोजिका आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी उप झोन समन्वयक उर्मिला तोमर ने बताया कि जिला समन्वयक हरिराम जिराती एवं महेश आचार्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 15 भाई बहनों द्वारा गुरु दीक्षा ग्रहण कर समय दान अंशदान का संकल्प लिया गया। 11 गर्भवती बहनों के पुंसवन संस्कार कर गोद भराई की गई। कार्यक्रम की सूत्रधार सुनीता शर्मा एवं आयोजनकर्ता शकुंतला रावल की टीम अनीता प्रजापति, मनोरमा सिसोदिया के सराहनीय प्रयास से ग्राम नेवरी में प्रथम बार सामूहिक आयोजन हुआ। विशेष रूप से ग्राम की प्रथम नागरिक सरपंच प्रीति प्रदीप रावल के साथ ही हाट पिपलिया शक्तिपीठ से वरिष्ठ परिजन मनोहर गुरु, गिरीश गुरु, रवि गुरु सिरोलिया शक्तिपीठ से महेश पटेल, सालिराम नागर, आशा शुक्ला, देवास जिला समन्वयक हरिराम जिराती उपस्थित रहे।

मेष

कार्य की अधिकता सम्भव। जिससे थकान व आलस्य की स्थिति बन सकती है। व्यापारी बंधु को लाभ, पार्टनरशीप में कोई नया कार्य शुरू कर सकते हैं। शिवजी को जल अर्पित करें। शुभ अंक- 6, शुभ रंग - लाल।

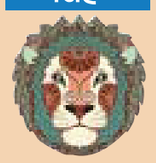

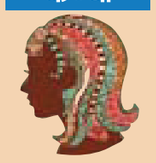

वृष

व्यापारी वर्ग आज कोई नया कारोबार शुरू कर सकते हैं, यदि पूर्व से कोई योजना हो तो। परिवार में शुभता। शिवजी को जल अर्पित करें। शुभ अंक- 4, शुभ रंग - भूरा।

मिथुन

कार्य क्षेत्र में उत्तम वातावरण प्राप्त होगा। जिससे अच्छे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। शिवजी को हरा बेल फल अर्पित करें। शुभ अंक - 4, शुभ रंग- गहरा हरा।

कर्क

भाग्य मजबूत। विशेष अवसर प्राप्ति सम्भव। परिवार में धार्मिक कार्य की योजना बन सकती है। शिवजी को सफेद सुगंधित फूल अर्पित करें। शुभ अंक- 2, शुभ रंग- भूरा।

सिंह

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अनावश्यक किसी से बहस न करें। परिवार का वातावरण तनाव पूर्ण हो सकता है। शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ अंक- 2, शुभ रंग- लाल।

कन्या

विवाह योग्य जातकों के लिए समय अनुकूल। कार्य क्षेत्र में विशेष सहयोग प्राप्ति योग, जिससे मन उत्साहित। शिवजी को बेलपत्र अर्पित करें। शुभ अंक- 2, शुभ रंग- हरा।

तुला

किसी पर भी अति विश्वास न करें। कार्य क्षेत्र में विरोधी तत्व सक्रिय, सजग रहें। शिवजी को अबीर अर्पित करें। शुभ अंक - 2, शुभ रंग- सफेद।

वृश्चिक

विवाह योग्य जातकों को आज अच्छे प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। पर सोच समझकर निर्णय करें। व्यापारी वर्ग को लाभ। शिवजी को लाल गुलाल अर्पित करें। शुभ अंक- 3, शुभ रंग- मेहरून।

धनु

पुराने लम्बित कार्य आज सम्भव। उचित प्रयास करें। भूमि भवन के कोई कार्य अटके हो तो उन पर भी फोकस करें। शिवजी को अक्षत और मिश्री अर्पित करें। शुभ अंक- 2, शुभ रंग- हरा।

मकर

दिन शुभ। कार्य क्षेत्र में उन्नति कारक योग। जिसका उचित लाभ ले तो भविष्य गत विशेष शुभ योग। शिवजी को लाल फल अर्पित करें। शुभ अंक- 6, शुभ रंग - नीला।

कुंभ

दिन शुभ। परिवार में धार्मिक कार्यों का आयोजन सम्भव। कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्ति योग। संतान क्षेत्रीय उत्तम समय। शिवजी को अक्षत अर्पित करें। शुभ रंग- 6, शुभ रंग- सफेद।

मीन

दिन सामान्य पर कार्य की अधिकता से भरपूर। संतान क्षेत्रीय कुछ चिंता उभर सकती है। लम्बी यात्रा के योग। शिव जी को अबीर अर्पित करें। शुभ अंक- 5, शुभ रंग - पीला।

ग्रह स्थिति

सूर्य- मेष राशि में, ता. 14 की रात्रि 3:55 से वृष राशि में। मंगल- कर्क राशि। बुध- मीन राशि में, ता. 7 के प्रातः 6:33 से मेष में, ता. 23 के दिन 12:35 से वृष राशि में। गुरू- वृष में, ता.15 के प्रातः 7:08 से मिथुन राशि में। शुक्र- मीन राशि में, ता. 31 की शाम 4:08 से मेष राशि में। शनि- मीन राशि में। राहु- मीन राशि में, ता. 18 के दिन 11:21 से कुंभ में। केतु-कन्या राशि में, ता. 18 के दिन 11:21 से सिंह राशि में।

दिशा शूल

दक्षिण दिशा में यात्रा वर्जित है। अति आवश्यक होने पर दही का सेवन कर घर से निकलें।

चौघड़िया

शुभ सुबह 6:00-7:30 तक
चर सुबह 10:30-12:00 तक
लाभ दिन 12:00-1:30 तक
अमृत दिन 1:30-3:00 तक
शुभ अपराह्न 4:30-6:00 तक

अभिजीत मुहूर्त

सुबह 11:50 से दिन 12:20 तक।

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता. 2 को शाम 6:20 से रात्रि अंत तक। ता.4 को सूर्योदय से शाम 5:47 तक। ता. 14 को सूर्योदय से सुबह 10:40 तक। ता. 18 को सूर्योदय से दिन 3:41 तक। ता. 19 को सूर्योदय से दिन 3:57 तक। ता. 23 को दिन 12:23 से रात्रि अंत तक। ता. 25 को सूर्योदय से दिन 9:12 से तक, ता. 27 को सूर्योदय से प्रातः 5:55 तक, ता. 28 को सूर्योदय से रात्रि 3:13 तक, ता. 29 को रात्रि 2:17 से ता. 30 की रात्रि 1:42 तक।

त्रिपुष्कर योग - ता.3 को दिन 1:20 से शाम 5:50 तक।

अमृत सिद्धि योग: ता. 14 को सूर्योदय से दिन 10:40 तक, ता. 23 को दिन 12:23 से रात्रि अंत तक।

रवि योग

रवियोगः ता.1 की प्रातः 5:44 से दिन 2:25 तक। ता. 2 के दिन 1:08 से ता. 3 की सुबह 5:43 तक। ता. 5 के दिन 2:05 से ता. 6 के प्रातः 5:40 तक। ता. 6 की सुबह 5:14 से ता. 7 की प्रातः 5:36 से शाम 6:21 तक। ता. 9 की रात्रि 12:09 से ता.10 की सुबह 5:41 तक। ता. 12 की प्रातः 5:34 से शाम 6:17 तक। ता.18 की शाम 6:52 से ता. 19 की प्रातः 5:32 तक। ता. 29 की रात्रि 10:42 से ता. 30 की प्रातः 5:28 तक।

पुष्य नक्षत्र: ता. 3 की शाम 5:50 से ता. 4 के शाम 5:47 तक।

1.80 करोड़ रुपये से अधिक लागत से विभिन्न वार्डो में बिछेगा सड़कों का जाल

10 स्थानों पर डामरीकरण कार्य की अल्प कालीन निविदा आमंत्रित

कटनी (ब्यूरो) नगारिकों को गुणवत्तापूर्ण मूलभूत व्यवस्था सहित बेहतर और व्यवस्थित आवागमन की सुविधाएं प्रदान करनें हेतु निगम प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे है। नागरिकों की प्राथमिकता एवं व्यवस्थित आवागमन को देखते हुए महापौर प्रीति संजीव सूरी के कुशल निर्देशन और आयुक्त नीलेश दुबे के मार्गदर्शन में नगर में अभूतपूर्व विकास देखने को मिल रहा है। नगर के चहुंमुखी विकास हेतु लगभग 1 करोड़ 80 लाख 36 हजार 288 रूपये की लागत से विभिन्न वार्डो में 10 स्थलों की सडकों के डामरीकरण कार्य कराये जाने की अल्प कालीन निविदा जारी की गई है। इन निर्माण कार्यो को निर्धारित शर्तो के साथ नियत समय सीमा में पूर्ण कराने के प्रयास किये जा जाएगें।

इन मार्गो में होगा डामरीकरण कार्यः- निगम प्रशासन द्वारा सुगम यातायात व्यवस्था प्रदान किये जानें हेतु जिन विकास कार्यो डामरीकरण कार्य की निविदा जारी की गई है उनमें बाल गंगाधर तिलक वार्ड में साईं मंदिर के बगल से गली नंबर सात में 17 लाख 4 हजार 145 रुपये इंदिरा गांधी वार्ड क्रमांक 4 में बालाजी गेट से पुरवार स्कूल 13 लाख 4 हजार 966 रुपये की लागत का कार्य की निविदा आमंत्रित की गई है। जबकि शिवाजी वार्ड क्रमांक 20 में मुक्तिधाम की जर्जर रोड का डामरीकरण कर पुनः निर्माण कार्य लागत 13 लाख 18 हजार 226 से कराया जायेगा। वहीं महात्मा गांधी वार्ड में विभिन्न स्थलों में 8 लाख 52 हजार 679 रुपये की लागत से, आचार्य कृपलानी वार्ड में गोवर्धन कुकरेजा के मकान से डायमंड स्कूल तक 13 लाख 26 हजार 321 रुपये की लागत से सड़क डामरीकरण का कार्य कराये जानें हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। इसी प्रकार हेमू कालाणी वार्ड क्रमांक 40 में राय कॉलोनी में 24 लाख 73 हजार 51 रुपये की लागत से, महाराणा प्रताप वार्ड में 15 लाख 98 हजार 712 रूपये की लागत, जाकिर हुसैन वार्ड में 12 लाख 65 हजार 556 रुपये, आजाद चौक से सुक्खन अखाड़ा व काली मंदिर से जैन मंदिर तक लागत 27 लाख 33 हजार 546 रूपये सहित रविदास चौराहा से कैलवारा फाटक तक 34 लाख 56 हजार 86 रुपये की लागत से डामरीकरण का कार्य कराया जायेगा। इन समस्त कार्यो के लिए निविदा की अंतिम तिथि 2 जून निर्धारित की गई है।

औषधीय फसल अदरक, हल्दी और तुलसी की खेती से किसानों की आर्थिक स्थिति में आयेगा बदलाव

औषधीय फसल की खेती से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा

औषधीय फसल की खेती किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा

कटनी (ब्यूरो) मानव जीवन विकास समिति द्वारा नाबार्ड टीडीएफ परियोजना की मदद से समिति सचिव निर्भय के नेतृत्व में कटनी जिले के ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के 8 गांव मे 200 परिवार के साथ कार्य किया जा रहा है जिसमे 175 परिवार भूमिधारी है और 25 परिवार भूमिहीन है। भूमिधारी किसानों के साथ खेती वाले काम करेंगे और भूमिहीन परिवार के साथ व्यावसाय आधारित काम मुर्गीपालन, बकरी पालन व अन्य व्यावसाय से जोड़ने का काम करेंगे। भूमिधारी 175 किसान के साथ 88 एकड़ भूमि मे औषधीय फसल अदरक, हल्दी और तुलसी की खेती करने की योजना है। जिसमे से 75 किसान अदरक और हल्दी की खेती आधा एकड़ में करेंगे। 100 किसान हल्दी और तुलसी की खेती आधा एकड़ में करेंगे। प्रत्येक 175 किसानों को 40-40 फलदार 7000 पौधे रोपण की योजना है। जिसमे 75 किसान मुनगा और सीताफल के प्लान्टेषन करेंगे एवं 100 किसान नीबू और कटहल के प्लांटेशन करेंगे। मानव जीवन विकास समिति द्वारा औषधीय कृषि विशेषज्ञ डॉ. शान्ति स्वरूप सरास्वत नीमच के द्वारा बीज का अवलोकन कराकर अच्छे बीज किसानों को उपलब्ध करा रहे है। किसानों को खेती करने पूर्व सभी तैयारियां करा दी गई है किसानों द्वारा जून महीने मे अदरक की खेती की जानी है। जिसमें समिति 75 किसानों को 113 क्रिंटल अदरक का बीज, 175 किसानों को 263 क्रिंटल हल्दी का बीज, 100 किसानों को 10 किलोग्राम तुलसी का बीज निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

यूथ हॉस्टल मध्यप्रदेश राज्य शाखा द्वारा गोपाल शर्मा को सर्वश्रेष्ठ सम्मान प्रदान कया गया

कटनी (ब्यूरो) विगत दिवस भोपाल में यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया मध्यप्रदेश राज्य शाखा की राज्य कार्यकारिणी एवं राज्य काउंसिल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी एवं कटनी से चेयरमैन गोपाल शर्मा एवं सचिव वीरेंद्र सिंह सम्मिलित हुए। पूर्व कोषाध्यक्ष विनोद निगम के निधन के कारण सर्व प्रथम राज्य कोषाध्यक्ष के लिए हुए चुनाव में शेष अवधि के लिए अजय गौर को निर्वाचित घोषित किया गया। इस चुनाव को कराने के लिए राष्ट्रीय पर्यवेक्षक के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य के सचिव सुब्रह्मण्यम विशेष रूप से उपस्थित थे। तत्पश्चात राज्य चेयरमैन मनोज जौहरी द्वारा बैठक में निर्धारित एजेंडा पर सदस्यों से विस्तृत चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों के आयोजन पर निर्णय लिए गए। राष्ट्रीय, राज्य एवं इकाई के कार्यक्रमों में सहयोग एवं यूथ हॉस्टल आंदोलन विस्तार के लिए पिछले 28 वर्षों से कार्य कर रहे कटनी इकाई चेयरमैन गोपाल शर्मा को सर्वश्रेष्ठ सम्मान राष्ट्रीय चेयरमैन मनोज जौहरी एवं राज्य अध्यक्ष अशोक गोलाने के द्वारा प्रदान किया गया। शर्मा को शाल, सम्मान पत्र, सर्वश्रेष्ठ सम्मान चलित मंजूषा, एवं 2500/ पुरस्कार के रूप में प्रदान किए गए। इस अवसर पर वर्ष 24-25 में श्रेष्ठ कार्य करने वाली मंडीदीप इकाई को प्रथम एवं इंदौर इकाई को द्वितीय पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। इस वर्ष से अकाउंट शीघ्र भेजने वाली इकाई को राज्य चेयरमैन द्वारा व्यक्तिगत रूप से विनोद निगम की स्मृति में 2500/ नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान करने की घोषणा की गई थी ये पुरस्कार ग्वालियर इकाई को प्रदान किया गया। राज्य का सर्वश्रेष्ठ सम्मान गोपाल शर्मा को प्राप्त होने पर कटनी इकाई के सदस्यों में हर्ष व्याप्त है। प्रदीप कुमार मिश्रा एसडीएम कटनी, इकाई अध्यक्ष पंचम जैन, उपाध्यक्ष श्रीराम कुदरहा, अमित सिंघई, सचिव वीरेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष रानू जैन, श्रीप्रकाश जायसवाल, राजेंद्र बहरे, डॉ. दीपक सक्सेना, दिनेश जैन, शैलेंद्र जैन, नवीन मित्तल, सतीश बजाज, मुकेश चंदेरिया, अंकित जैन, मनीष जैन, डॉ. रामप्रकाश पांडे, सुशील कुशवाहा, सचिन सिंघई, मोती बजाज पूर्व अध्यक्ष डॉ. हेमलता गर्ग, संगमलाल जायसवाल, के एल कनकने, इकबाल सलूजा, सचिन सिंघई, नीरज गट्टानी, अनिल नेमा, राजू साहू, अशोक डोडानी, डॉ. अक्षय गुप्ता, किशन हरलालका, अमित जैन, विजय सिंह, संजय खंडेलवाल, राजेश वर्मा, सुशील शर्मा, सनी सियाल, कमल राज अग्रवाल, बी बी क थालीलसंजय शर्मा, वेंकट अग्रवाल, अनुपम जैन, अनीता सिंह, सीमा नाहर, अल्का सरावगी, उदिता चौदहा, मीना शर्मा ने बधाई दी है एवं राज्य नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है।

यूपीएससी गाइडेंस सेमिनार में दिखा उत्साह

सिंधी समाज की नई पीढ़ी को मिला सशक्त मंच

कटनी (ब्यूरो) सिंधी समाज की अग्रणी संस्था सिंधु नौजवान मंडल के तत्वावधान में पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत कटनी, पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत माधवनगर, पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत शांति नगर, सिंधु सेवा समिती के मार्गदर्शन व वरुण संस्था एवं सिंधी काउंसिल के सहयोग से प्रशासन में समाज की भागीदारी के उद्देश्य को लेकर नई बस्ती स्थित सिंधु झूलेलाल मंगलम में 26 मई को शाम 4 बजे यू.पी.एस.सी सेमिनार का सफल कार्यक्रम आयोजित हुआ। समाजसेवी रवि प्रथ्यानी ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियो द्वारा भगवान झूलेलाल के सामने दीप प्रज्वलन कर किया गया कार्यक्रम के मध्य समाज के वरिष्ठजनों द्वारा सभी अतिथियों का शाल श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत व सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान युवा उद्योगपति समाजसेवी मनीष गेई द्वारा दिए गए उद्बोधन ने बच्चों के अंदर ऊर्जा संचार का काम किया श्री गेई कहा कि इस सैमीनार में उपस्थित हर एक बच्चा प्रतिभाशाली हैं और अगर वह सैमीनार से प्रेरित होकर यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रशासनीक सेवाओं में कार्यरत होता है तो यह कार्यक्रम समाज के लिए एक मिसाल एक उपलब्धि कायम करेगा कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन कार्यक्रम संयोजक शिकागो पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर मोहन नागवानी जी द्वारा किया गया। सेमिनार में दिल्ली लखनऊ व नागपुर से पधारे सुविख्यात काउंसलर्स ने बच्चों को यूपीएससी की परीक्षा हेतु मोटिवेट किया। इस मार्ग दर्शन सेमिनार में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे सिन्धी समाज के बच्चो ने भाग लिया। सेमिनार में लखनऊ से पधारे रिटा. पुलिस कमिश्नर व सक्रिय समाजसेवी राजाराम भागवानी, सिंध वेलफेयर सोसायटी सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र भवनानी, फैकल्टी फॉर सिंधी लिटरेचर ऑप्शनल दिल्ली से जयेश शर्मा ने युवाओ को बच्चों को मार्गदर्शन दिया। बड़ी खुशी एवं गर्व का विषय है कार्यक्रम की सार्थकता बढ़ाने के लिए प्रशासनिक सेवाओं हेतु प्रयासरत राष्ट्रीय स्तर की संस्था उदय अकैडमी नागपुर के जनरल सेक्रेटरी प्रताप देवानी एवं रमेश मोटवानी भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दी। समाज के युवा प्रशासनिक सेवा क्षेत्र में भाग लेकर आईएएस, आईपीएस अधिकारी बनकर किस तरह से अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं इसकी विस्तृत जानकारी एल ई डी के माध्यम से कार्यक्रम में दी गई। सेमिनार में लगभग 200 प्रतिभागियों ने अपने अभिभावको के साथ हिस्सा लिया। प्रशासनिक सेवा क्षेत्र में समाज में अच्छा खासा उत्साह निर्मित हुआ है। आयोजकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा की यूपीएससी में समाज के बच्चों की भागीदारी को लेकर जो आंकड़ा सामने आया है निश्चित तौर पर यह बीज एक वृक्ष के रूप में फ्लीभूत होगा। आज के कार्यक्रम की सफलता इसी बात से दृष्टिगोचर होती है कि कार्यक्रम से प्रभावित होकर, काउंसलरों द्वारा जो जानकारी दी गई उनसे मोटिवेट होकर समाज के बच्चों ने लखनऊ में होने जा रहे होने जा रही 11 जून से 15 जून की यूपीएससी कार्यशाला में भी अपने नाम लिखवा कर अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है। कार्यक्रम के दौरान पुज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत अध्यक्ष चंदूलाल जादवानी, सिंधु सेवा समिति अध्यक्ष राजकुमार नानकानी, पुज्य पंचायत शांति नगर के अध्यक्ष अशोक चेलानी, वरूण संस्था के अध्यक्ष राजकुमार रोहरा उद्योगपति मनीष गेई, समाज सेवी खीयल चावला, पुर्व पार्षद राजकुमार माखिजा, पार्षद ईश्वर बहरानी, प्रकाश वाधवानी, मोहन हीरानी, डॉ. अनमोल सचदेवा व आयोजक संस्था सिंधु नौजवान मंडल से अध्यक्ष सुरेश चावला, सचिव चंद तनवानी, विजय रोहरा, ईश्वर वाधवानी, जय कुमार रामसिधानी, राजकुमार जीवनानी, अमर पुरूस्वानी, रवि प्रथ्यानी, दीपक भागवानी, मनीष कलवानी आदि मौजूद रहे।

शिक्षक संवर्ग की समस्याओं के समाधान को लेकर डीईओ, डीपीसी से मिला प्रतिनिधि मंडल

कटनी (ब्यूरो) शिक्षक संवर्ग की विभिन्न समस्याओं के समाधान हितार्थ विभिन्न कर्मचारी संघो के पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष संजय अग्रवाल के नेतृत्व में जिलाशिक्षाधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक से भेंट की और समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। उनके द्वारा कहा गया कि एक ओर जहां प्रदेश की सरकार, मुख्यमंत्री, प्रभारी एवं विभागीय मंत्री शिक्षक एवं कर्मचारियों हितार्थ में कार्य किये जा रहे है कर्मचारियों के एचआरए, केशलेस मेडिकल व्यवस्था की घोषणा, स्थानांतरण नीति, क्रमोन्नत एवं समयमान वेतनमान आदि उदाहरण हैं तो दूसरी ओर सरकार, मुख्यमंत्री की मंशा के विपरीत जिले में शिक्षक, कर्मचारियों के तनावयुक्त आदेश किये जा रहे हैं प्राथमिक शिक्षक गुरुजियों को क्रमोन्नत आज तक सुधार न होना, तीन संतान के नाम पर तनावपूर्ण आदेश, नवीन संकुल में विद्यालयों की दूरी अधिक होना आदि हैं किसी भी शिक्षक, कर्मचारी का अहित न हो जिससे वह तनावमुक्त होकर कार्य कर सके एवं अपने कर्तव्यों दायित्वों का निर्वहन करे आदि से संबंधित ज्ञापन जिलाशिक्षाधिकारी को सौपा गया उनके द्वारा आश्वस्त किया गया। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संघ, शिक्षक संघ, मप्र शिक्षक संघ, आजाद अध्यापक संघ, शिक्षक कांग्रेस, ओपीएस, आजाद शिक्षा परिषद, प्राथमिक शिक्षक गुरूजी, संघ के संजय अग्रवाल, प्रमोद मिश्रा, प्रशांत चमपुरिया, नवनीत चतुर्वेदी, रमाशंकर तिवारी, संजय मिश्रा, आशीष उरमलिया, गणेश शंकर गर्ग, एस के सोलंकी, मनीष दीक्षित, सुशील तिवारी, अखिलेश पांडेय, भरत राय, राजेन्द्र राय, अनिल पटेल, केके पटेल, रोहित दुबे आदि शिक्षक कर्मचारी संघो के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

कलेक्टर हीरापुर कौडिया लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम में सुन रहे लोगों की समस्याएं

कटनी (ब्यूरो) कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ग्राम हीरापुर कौडिया में आयोजित लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम में सुन रहे ग्रामीणों की समस्यायें। जिला पंचायत सीईओ शिशिर गेमावत भी है मौजूद। कलेक्टर अब तक 11 आवेदकों की शिकायतों और समस्याओं को समक्ष में बैठा कर उनकी बातों को सुन चुके हैं। साथ ही अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। इस दौरान विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी और विकासखंड स्तरीय अधिकारी भी है उपस्थित। सरपंच हीरापुर कौडिया प्रणीता पटेल और जनपद पंचायत सदस्य विनीता बर्मन भी लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम में हैं मौजूद।

अभिलाषा के पूर्ण होने को सुख कहते हैं; अभिलाषा के न पूर्ण होने को दुःख कहते हैं : भगवती चरण

स्वदेशी को अपनाएं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में 'स्वदेशी' के महत्व को प्रतिपादित किया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हम विदेशी सामान नहीं खरीदें, स्वदेशी को बढ़ावा दें, तब सही अर्थों में ऑपरेशन सिंदूर सफल होगा। यह बात सही है कि ऑपरेशन सिंदूर सामरिक रूप से सर्वाधिक सफल कार्यवाहियों में से एक है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने अपनी संप्रभुता को स्थापित किया और वैश्विक राजनीति में अपने स्थिति से भारत के प्रति शत्रु भाव रखने वाली ताकतों को स्पष्ट एवं खुला संदेश दिया है। परंतु वर्तमान और भविष्य के भारत के सामने बड़े लक्ष्य हैं, जिनको साधने के लिए सभी भारतीयों को भी आगे आकर कुछ दायित्व निभाने होंगे। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी आह्वान करते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर केवल सेना का अभियान नहीं है अपितु यह हम सब नागरिकों यानी लगभग 140 करोड़ भारतीयों का अभियान है। इसे सफल बनाने में सबकी भूमिका है। इस हेतु उन्होंने आह्वान किया है कि हम स्वदेशी को अपनाकर अपने देश को मजबूत करें। इस संदर्भ में उन्होंने भारत के विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर कदम बढ़ाने की तैयारियों को भी सबके सामने रखा। निःसंदेह, नागरिकों की भूमिका के बिना इस लक्ष्य को प्राप्त करना अत्यंत कठिन है। यहां से अपनी अर्थव्यवस्था को गति और मजबूती देने के लिए पहली शर्त है कि हम अपने देश में उत्पादन बढ़ाएं। उत्पादन तब बढ़ेगा जब हम विदेशी सामग्री की मांग कम करके स्वदेशी उत्पाद को प्राथमिकता दें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधीनगर में आयोजित एक कार्यक्रम में 'स्वदेशी' के महत्व को प्रतिपादित किया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हम विदेशी सामान नहीं खरीदें, स्वदेशी को बढ़ावा दें, तब सही अर्थों में ऑपरेशन सिंदूर सफल होगा। यह बात सही है कि ऑपरेशन सिंदूर सामरिक रूप से सर्वाधिक सफल कार्यवाहियों में से एक है।

ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में भी यह तथ्य ध्यान रखना चाहिए कि इस सीमित युद्ध में भारत ने स्वदेशी हथियारों का जलवा दिखाया है। दुनिया के कई देशों की रुचि भारतीय हथियारों में बढ़ गयी है। हमने कुछ समय पूर्व ही तय किया था कि भारतीय सेना अब आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएगी। हम अपने ही देश में सैन्य साजो-सामान और हथियारों का निर्माण करेंगे। हमने अपने संकल्प को सिद्ध करके दिखाया है। इसलिए यदि देश की जनता अन्य क्षेत्रों में भी स्वदेशी सामग्री की मांग करे तो हम उन क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण उत्पादन में सक्षम हैं। हम विदेशी सामग्री पर इतने निर्भर हो गए हैं कि अपने आराध्यों और उनके पूजन की सामग्री भी विदेश में निर्मित खरीद रहे हैं। इस पर भी प्रधानमंत्री मोदी ने तंज कसा है। इधर, प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के बाद विरोधी लोगों ने स्वदेशी का भी विरोध करना शुरू कर दिया है। ये लोग बहुत ही बचकाने तर्क देकर स्वदेशी की संकल्पना का उपहास उड़ा रहे हैं। यह बात सही है कि आज भी हम बहुत सारे उत्पादों के लिए विदेशी कंपनियों पर ही निर्भर हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम स्वदेशी की ओर कदम ही नहीं बढ़ा सकते। जिस क्षेत्र में बेहतर उत्पाद उपलब्ध हैं, वहां हम क्यों विदेशी उत्पाद खरीद रहे हैं? जाहिर है कि हम एक मानसिकता से ग्रसित हैं कि विदेशी उत्पाद अधिक गुणवत्तापूर्ण होते हैं। हमें इस मानसिकता से बाहर निकलने की आवश्यकता है। स्वदेशी क्या है, उसे विस्तार देते हुए प्रख्यात स्वदेशी चिन्तक दत्तोपंत ठेंगडी ने कहा है- "यह मानना भूल है कि 'स्वदेशी' का सम्बन्ध केवल माल या सेवाओं से है। यह फौरी किस्म की सोच होगी। इसका मतलब है देश को आत्मनिर्भर बनाने की प्रबल भावना, राष्ट्र की सार्वभौमिकता और स्वतंत्रता की रक्षा तथा समानता के आधार पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग।" उनका स्पष्ट मानना था कि स्वदेशी, देशप्रेम की साकार और व्यावहारिक अभिव्यक्ति है। इसलिए स्वदेशी को केवल उत्पाद तक सीमित रखना भी उचित नहीं है। बहरहाल, अपने देश को अधिक सामर्थ्यशाली और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हम सब भारतीयों को अपनी भूमिका को पहचाना चाहिए। स्वदेशी का अनुकरण करके हम इस दिशा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

अर्थशास्त्री अहिल्यादेवी

एक रानी जो देवी बन गईं

पुण्य श्लोक देवी

अहिल्या बाई होळकर त्रि शताब्दी वर्ष श्रखला 3

अहिल्यादेवी के जीवन में चुनौतियों के पहाड़ थे मगर इन चुनौतियों में घिरे रहकर भी वे सतर्क रहती थी। वे कब क्या बोलेंगी यह कोई कल्पना नहीं कर सकता था। लोग उनकी सूझ-बुझ के कायल थे। अहिल्यादेवी के सेनापति तुकोजीराव को हमेशा ही फौज के खर्चे हेतु आर्थिक तंगी लगी रहती थी। इधर तुकोजीराव अहिल्यादेवी की आज्ञा के बिना तहसीलों से होने वाली आय को फौज के लिए खर्च करने लगे थे। अहिल्यादेवी इससे बिल्कुल सहमत नहीं थी। अहिल्यादेवी ने प्रत्येक कमाविसदार को सख्त आदेश दिये कि किसी भी स्थिति में यदि तुकोजीराव धन की मांग करे तो मेरी आज्ञा के बिना तुकोजी को धन नहीं दिया जाना चाहिए। एक बार तुकोजीराव दक्षिण मे युद्धभूमि मे थे, इधर अहिल्यादेवी के राज दरबार में दैनिक काम निपटाये जा रहे थे और तहसीलों से कर वसूली का कार्य जारी था। हरिपंत तात्या ने तुकोजीराव पर आरोप लगाया कि उन्होंने टीपू से पांच लाख रुपये लेकर बादामी के लड़ाई में ढील बरती थी। इसमें कितनी सच्चाई थी यह तो कोई नहीं जानता था किन्तु तुकोजीराव को हमेशा ही धन की तंगी लगी रहती थी। वे रुपयों के मामले मे अक्सर गडबड करते रहते थे तो आरोप लगना भी स्वाभाविक था और इसे सही माना जा रहा था। अहिल्यादेवी को जब यह विषय बताया गया तो वे अंतिम निर्णय पर नहीं आयी और वे वास्तविक घटना खोज करने का प्रयास कर रही थी। तुकोजीराव पर लगे आरोप के कारण तुकोजीराव ने टीपू के बहुत सारे लोगो को मार डाला और उनसे खजाना भी लूट लिया।

महादजी शिंदे अहिल्यादेवी का बहुत सम्मान करते थे। दोनों में भाई-बहन की तरह व्यवहार था, महादजी प्रत्येक घटना और लेन-देन के विषय मे अहिल्यादेवी को जरूर बताते थे। इसका एक उदाहरण था 26 मार्च 1786 को महादजी शिंदे ने ग्वालियर के पास वाली छावनी से राघोजी जामदार के साथ पुणे के प्रधानमंत्री सवाई माधवराव पेशवा को नजराना भेजा किन्तु पुणे भेजने से पहले राघोजी को बताया कि वे पहले महेश्वर जाकर अहिल्यादेवी को नजराना दिखाए। राघोजी अहिल्यादेवी के पास पहुंचा, उसने नजराना दिखाना शुरू किया, एक हाथी, ऊंची नस्ल के दो घोड़े, कीमती रत्न, सोने की एक रत्नजड़ित पतीली, तलवारे, बंदूकें और कई सुंदर वस्त्र भी थे।

बोध कथा

आस्था की दिशा

स्वामी रामकृष्ण परमहंस अपने एक शिष्य की आस्था की परीक्षा लेना चाहते थे। एक दिन उन्होंने शिष्य से पूछा, 'अच्छा बताओ, तुम्हारा विश्वास साकार पर है या निराकार पर?' शिष्य ने थोड़ी देर सोचने के बाद उत्तर दिया, 'महाराज, मुझे निराकार अधिक प्रिय है।' यह सुनकर स्वामी रामकृष्ण परमहंस प्रसन्न हो गए। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, 'बहुत अच्छा। किसी एक पर विश्वास दृढ़ हो, तो साधना सफल होती है। यदि तुम्हारा झुकाव निराकार की ओर है, तो उसी पर श्रद्धा रखो। परन्तु यह कभी मत कहना कि केवल निराकार ही सत्य है और साकार असत्य। यह समझो कि साकार भी सत्य है और निराकार भी। दोनों ही ईश्वर के स्वरूप हैं। तुम्हें जिस रूप में सहज अनुभूति हो, उसी का आश्रय लो।' गुरु के इन वचनों से शिष्य का मन शांत हो गया और वह निश्चिंत होकर अपनी साधना में और भी लगन से जुट गया।

मोदी सरकार का स्पष्ट संदेश है कि मार्च 2026 तक माओवाद का समूल सफाया कर दिया जाएगा

अंतिम सांसें गिनता नक्सलवाद

बलबीर पुंज

'ट्रिस्ट विद अयोध्याः डिकोलोनाइजेशन ऑफ इंडिया' के लेखक

नक्सलवाद दशकों से देश की सुरक्षा-संप्रभुता, सामाजिक न्याय, राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास को चुनौती देता आया है। सियासी-वैचारिक कारणों से वर्षों तक उस अमानवीय व्यवस्था को बर्दाश्त किया गया, जहां कानून का राज नहीं, बल्कि भीड़तंत्र की हुकूमत है।

बीते कुछ वर्षों में जिस प्रकार वामपंथी उग्रवाद- 'नक्सलवाद' का खात्मा किया जा रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह भी अपने कार्यकाल (2004-14) में नक्सलवाद को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानते थे। वर्ष 2011 में बतौर प्रधानमंत्री पांच अखबारों के संपादकों से बात करते हुए डॉ.सिंह ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास और खुफिया तंत्र को मजबूत करने पर बल दिया था। बीते दिनों जिस तरह सुरक्षाबलों ने शीर्ष नक्सलियों को ठिकाने लगाया है, उससे यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि मोदी सरकार ने नक्सलवाद से निपटने में दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ सुरक्षाबलों को हरसंभव संसाधन पहुंचाकर नक्सली क्षेत्रों में विकास कार्यों का मार्ग प्रभावी रूप से प्रशस्त किया है।

नक्सलवाद दशकों से देश की सुरक्षा-संप्रभुता, सामाजिक न्याय, राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास को चुनौती देता आया है। सियासी-वैचारिक कारणों से वर्षों तक उस अमानवीय व्यवस्था को बर्दाश्त किया गया, जहां कानून का राज नहीं, बल्कि भीड़तंत्र की हुकूमत है। स्वाभाविक रूप से इस अराजकता के सबसे अधिक शिकार कमजोर-वंचित वर्ग ही हुए है, जिन्हें नक्सली अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए विकास-लोकतंत्र की मुख्यधारा से काटकर, भय के बल पर नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं।

इन वामपंथी उग्रवादियों के प्रेरणास्रोत वर्तमान साम्यवादी चीन के संस्थापक माओ से-तुंग है, जिनकी विरासत ही अपने विरोधियों के साथ उनसे असहमति रखने वालों के भयावह संहारों और उत्पीड़नों से भरी है। एक आंकड़े के अनुसार, अकेले माओ की 'सांस्कृतिक क्रांति' में 20 लाख निरपराधों की मौत हुई थी। भले ही चीन बदलते समय के साथ माओ की विफल आर्थिक नीतियों से तौबा कर चुका है, परंतु उसका वैचारिक-राजनीतिक चिंतन अब भी जस का तस है। वर्तमान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के शासनकाल में मानवाधिकारों और मजहबी स्वतंत्रता का गला घोंटना रुका नहीं है। जहां तिब्बत में सांस्कृतिक और भाषाई विरासत का दमनचक्र अपने चरम पर है, वहीं शिनजियांग प्रांत में उइगर मुस्लिमों पर कई प्रकार के मजहबी प्रतिबंध है और उनकी मस्जिदों को भी ढहा दिया गया है। भारत के प्रति शत्रुभाव रखने के कारण चीन प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से माओवादियों (शहरी नक्सली सहित) को अपना मोहरा बनाता रहा है।

नक्सलियों की कार्यपद्धति उत्तर कोरिया के साम्यवादी तानाशाह किम जोंग उन के सबसे करीब है। जिस प्रकार किम अपने विरोधियों की सरेआम हत्याएं करवाते है या भाषण के समय मात्र झपकी लेने वाले को गोली से उड़वा देते है- वैसी ही नक्सली अपनी तथाकथित 'जन-अदालतों' में बेकसूर लोगों को पुलिस का भेदिया बताकर उन्हें फांसी देने और गोली मारने के अतिरिक्त बम से उड़ा या शरीर के टुकड़े कर देते है। इसमें आरोप भी नक्सली लगाते हैं और फैसला भी नक्सली करते हैं।

वर्ष 1967 से माओवादी खुद को हाशिए पर पड़े आदिवासियों, वंचितों और गरीबों का रहनुमा बताते रहे है कि वो उनपर हुए कथित 'जुल्म' और 'नाइंसाफी' के खिलाफ लड़ रहे हैं। सच तो यह है कि पिछड़े क्षेत्रों के प्रति ब्रितानी उदासीनता, स्वतंत्रता के बाद प्रारंभिक सरकारों की निष्क्रियता के बाद नक्सली बंदूक की नोंक पर इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से काटना, सरकारी इमारतों और स्कूलों को जलाना, सड़कों-पुलों को बम से उड़ाना और आम लोगों से जबरन वसूली करना चाहते है। इस अराजकता के कारण आदिवासी क्षेत्रों में दशकों तक उद्योग-धंधे फल-फूल नहीं सके है, जिसका सीधा अर्थ यह हुआ कि वहां रोजगार के कोई अवसर पैदा नहीं हुए और विकास शून्य के समान रहा।

नक्सली जिस वामपंथी विचारधारा को आगे बढ़ा रहे है, वह अपने निरंकुश-हिंसक और मानवता-विरोधी चिंतन के कारण 74 वर्षों के जीवनकाल में दुनिया में कहीं भी संतोषजनक, खुशहाल और मानवाधिकार युक्त समाज का निर्माण नहीं कर पाया है। यह ठीक है कि लोकतंत्र में भी कुछ खामियां हो सकती है। परंतु उपलब्ध व्यवस्थाओं (शरीयत सहित) में दीर्घकालिक तौर पर सबसे सफल, सौहार्दपूर्ण, आशाजनक, संतोषप्रद और मानवीय अधिकारों से लैस उदार समाज का निर्माण- लोकतांत्रिक व्यवस्था ने ही किया है। नक्सलियों की प्रजातंत्र में विश्वास रखने वालों के प्रति घृणा कितनी गहरी है, यह उनके द्वारा 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी में तत्कालीन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल सहित कई कांग्रेसी नेताओं-कार्यकर्ताओं और जवानों को मौत के घाट उतारने से स्पष्ट है।

बुनियादी ढांचे, शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षा को प्राथमिकता देकर मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में नक्सलवाद की जड़ों पर गोली के साथ विकास के जरिए सीधा वार किया है। 14,000 किलोमीटर से अधिक सड़कें अब सुदूर इलाकों को मुख्यधारा से जोड़ रही हैं। ऐसे क्षेत्रों को हजारों मोबाइल टावर फोर-जी नेटवर्क के माध्यम से आधुनिकता से जोड़ रहे है। जहां पहले बंदूकों का डर था, वहां डाकघर, बैंक, एटीएम खुल गए है। पिछड़े क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा मजबूत करने और वहां प्रशासनिक पहुंच बढ़ाने के लिए रु.3,500 करोड़ से अधिक की धनराशि आवंटित की गई है। 2014 से पहले जहां केवल 38 एकलव्य मॉडल स्कूल थे, वहीं अब ऐसे 178 स्कूल है। नक्सल प्रभावित इलाकों में युवाओं को बंदूक के स्थान पर हुनर थमाने के लिए दर्जनों कौशल केंद्र खोले गए हैं। नक्सलियों से निपटने हेतु मोदी सरकार ने सुरक्षाबलों को अत्याधुनिक हथियार, तकनीक और संसाधनों से लैस करने के लिए सुरक्षा बजट को रु. 3,000 करोड़ तक पहुंचा दिया है, जो कि 2014 की तुलना में तीन गुना अधिक है। जहां पिछड़ापन कभी नक्सवाद की प्राणवायु हुआ करता था, वहां अब विकास की सांसें दौड़ रही हैं। इन सबके कारण ही 2010 की तुलना में नक्सली घटनाओं और इसके शिकार लोगों की संख्या में 80 प्रतिशत से अधिक की भारी कमी आई है।

नक्सली वे भटके हुए नौजवान है, जिन्होंने दुर्भाग्य से विदेशी वामपंथी विचारधारा से गुमराह होकर अपने ही देश के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। नक्सलवाद का लगातार घटता दायरा, केवल सैन्य कार्रवाई का नतीजा नहीं, बल्कि इसका संबंध सरकारी पहुंच, विकास परियोजनाओं और आदिवासी समुदायों में भरोसे के पुनर्निर्माण से भी जुड़ा है। जो सब्जबाग वामपंथी उग्रवादियों ने दिखाए थे, उसका असली चेहरा परत दर परत उतरकर सामने आ चुका है। मोदी सरकार का स्पष्ट संदेश है कि मार्च 2026 तक माओवाद का समूल सफाया कर दिया जाएगा।

यह लेखक के निजी विचार है

परमाणु ऊर्जा जवाबदेही अधिनियम में संशोधन पर सरकार कर रही है विचार

जरूरी है परमाणु जवाबदेही बाधाओं से मुक्ति

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

पहलगाम हमले के बदले में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले कानूनों में संशोधन पर विचार कर रही हैं। अंदाजा है कि आगामी मानसून सत्र में परमाणु क्षति के लिए अस्तित्व में लाए गए नागरिक दायित्व अधिनियम (सीएलएनडीए) 2010 में दो महत्वपूर्ण संशोधन सरकार कर सकती है। इन दो संशोधनों को बड़े सुधारों के रूप में देखा जा रहा है। इस संशोधन के तहत परमाणु संयंत्रों को उपकरण सप्लाई करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी सीमित की जा सकती है। मसलन यदि कोई दुर्घटना होती है तो उनकी जिम्मेदारी अनुबंध की मूल राशि और एक निर्धारित समय तक ही सीमित रहेगी। इस परिप्रेक्ष्य में बतौर उदाहरण विदेशी कंपनी जैसे जीई-हिताची वेस्टिंग हाउस को इस कानून के कारण निवेश में हिचक होती रही है। दूसरा संशोधन परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 में प्रस्तावित है। यह कानून फिलहाल केवल सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ही परमाणु संयंत्र चलाने की अनुमति देता है। इसे संशोधित किया जाता है तो निजी कंपनियों को भी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के संचालन की अनुमति मिल सकती है। इस परिवर्तन से विदेशी कंपनियों के लिए भविष्य के परमाणु प्रोजेक्ट में आंशिक हिस्सेदारी का द्वार खुल जाएगा। साफ है, ये उपाय किए जाते हैं तो परमाणु उत्पादन बढ़ने की संभावनाएं तो बढ़ जाएंगी, लेकिन स्वच्छ ऊर्जा और परमाणु दुर्घटना होने पर कंपनियों को नागरिक जवाबदेही से मुक्ति मिल जाएगी। याद रहे मनमोहन सिंह सरकार के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत-अमेरिका के बीच हुए परमाणु समझौते के बाद जो राजनीतिक तूफान उठा था, उसके चलते संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-1 सरकार गिरते-गिरते बची थी।

दरअसल सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को बाधा मुक्त इसलिए करना चाहती है जिससे 2047 तक सौ मेगावाट परमाणु ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया जाए। इसी लक्ष्य पूर्ति के लिए सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाना चाहती है। इसीलिए 2024-25 के आम बजट में लघु परमाणु संयंत्रों के लिए सरकार ने बड़े बजट का प्रावधान किया था। इस क्षेत्र में नया प्रयोग करते हुए पहली बार निजी कंपनियों को लघु परमाणु संयंत्र समूचे देश में स्थापित करने का अवसर दिया जाएगा। कालांतर में विदेशी कंपनियों को भी परमाणु संयंत्र लगाने की अनुमति दी जा सकेगी। साथ ही मॉड्यूलर (प्रतिरूपक) रिएक्टर के आधुनिकीकरण के लिए शोध और विकास पर भी धनराशि खर्च की जाएगी। जिससे परमाणु ऊर्जा में नई प्रौद्योगिकी का विकास हो, इसे पीपीपी मोडल पर क्रियांवित किया जाएगा। इसका उद्देश्य देश में स्वच्छ एवं वैकल्पिक बिजली को बढ़ावा देना है। इसी साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा पर गए थे, तब भारत में छोटे परमाणु संयंत्र लगाने और भारत में ही उत्पादन करने का समझौता हुआ था। एआई के दौर

में ऊर्जा की खपत असाधारण रूप से बढ़ने की उम्मीद है। यह एक बड़ा कंप्यूटर की भाषा का कृत्रिम बुद्धि से जुड़ा मॉडल हैं। भाषा मॉडल ऐसे मशीन लर्निंग मॉडल हैं, जो मानव भाषा के पाठ को समझ सकते है और सृजित भी कर सकते हैं। ये मॉडल भाषा के बड़े डेटा भंडार का विश्लेषण करने पर भी सक्षम होते हैं। सुपर और क्वांटम कंप्यूटर में इसी एआई की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए परमाणु ऊर्जा की जरूरत लघु परमाणु संयंत्रों से ही संभव हैं। स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में इसे क्रांतिकारी पहल माना जा रहा है।

विकसित भारत के लिए ऊर्जा की उपलब्धता एक बड़ी जरूरत है। इसलिए सरकार सिर्फ पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर नहीं रहना चाहती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जिस तरह से हमारी सेना ने पाकिस्तान के आतंकी और गैर-सैन्य ठिकानों को ध्वस्त किया था, उन आयुधों के निर्माण और संचालन के लिए भी परमाणु ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। इस परिप्रेक्ष्य में सौर और पवन ऊर्जा पर सरकार पहले ही काफी कुछ कर चुकी है। अतएव अब फोकस परमाणु ऊर्जा पर केंद्रित है। क्योंकि इसमें संभावनाएं अधिक हैं। आम बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने ऊर्जा सुरक्षा को सरकार की नौ प्राथमिकताओं में गिनाया था। ऊर्जा बदलाव के संबंध में एक नीतिगत दस्तावेज तैयार करने की बात भी कही गई है। इससे यह तय होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में किस तरह से पारंपरिक ऊर्जा की जगह धीरे-धीरे अपारंपरिक ऊर्जा के स्रोत का महत्व बढ़ रहा है। यह दस्तावेज ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार, विकास और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का भी समाधान खोजेगा। अतएव इसी परिप्रेक्ष्य में निकेल, कोबाल्ट, तांबा और लिथियम जैसी धातुओं के उत्पादों के आयात पर शुल्क घटाया है। इन उत्पादों का प्रयोग परमाणु और सौर ऊर्जा के साथ दूसरे ऊर्जा उत्सर्जन उपायों में भी होता है। आयात सस्ता होने से इनका निर्माण भारत में करने में आसानी होगी। यही नहीं परमाणु ऊर्जा, नवीनीकरण ऊर्जा और अंतरिक्ष एवं रक्षा क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली 25 धातुओं पर सीमा शुल्क को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। यानी छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के रास्ते साफ किए जा रहे हैं।

भारत में एक ओर अर्से से अटकी परमाणु बिजली परियोजनाओं में विद्युत का उत्पादन शुरू हो रहा है, वहीं निजी निवेश से परमाणु ऊर्जा बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत जिले के तापी काकरापार में 22,500 करोड़ रुपए की लागत से बने 700-700 मेगावाट बिजली उत्पादन के दो परमाणु ऊर्जा संयंत्र 22 फरवरी 2024 को राष्ट्र को समर्पित कर दिए हैं। ये देश के पहले स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र हैं। ये संयंत्र प्रतिवर्ष लगभग 10.4 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेंगे। जो गुजरात में बिजली की आपूर्ति के साथ अन्य प्रांतों को भी बिजली देंगे। ये संयंत्र शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में आगे बढ़ने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होंगे। भारत सरकार के उपक्रम परमाणु ऊर्जा निगम ने मध्यप्रदेश में चार नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने की मंजूरी दी है। जल्दी ही ये संयंत्र नीमच, देवास, सिवनी और शिवपुरी में लगेंगे। सब कुछ सही रहा तो जल्दी ही इन परियोजनाओं पर काम शुरू हो जाएगा। इन संयंत्रों के शुरू हो जाने पर 1200 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली पैदा होगी। भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता पिछले 10 साल में करीब दोगुनी हो चुकी है। 2031 तक इसके तीन गुना होने की उम्मीद है।

समय बोध

सुप्रीम कोर्ट का मनोबल बढ़ाने वाला फैसला

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक ऐतिहासिक व बड़े फैसले में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में महानिरीक्षक (आईजी) स्तर तक के आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति कम करने का निर्देश दिया है, ताकि कैडर अधिकारियों को अधिक अवसर मिल सकें। वास्तव में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला कैडर अधिकारिक के लिए मनोबल बढ़ाने वाला फैसला कहा जा सकता है। पाठकों को यहां यह बताता चलूं कि सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि केंद्रीय सशस्त्र बलों (सीएपीएफ) में कैडर अधिकारियों की पदोन्नति में विलंब से उनके मनोबल पर 'प्रतिकूल प्रभाव' पड़ सकता है। गौरतलब है कि माननीय कोर्ट ने यह बात कही है कि जब सीएपीएफ को ओजीएएस घोषित किया गया है, तो ओजीएएस को उपलब्ध सभी लाभ स्वाभाविक रूप से सीएपीएफ को मिलने चाहिए, यह नहीं हो सकता कि उन्हें एक लाभ दिया जाए और दूसरे से वंचित रखा जाए। यह बहुत ही काबिले-तारीफ है कि अब केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में ओजीएएस (संगठित समूह ए सेवा) के लिए बाकायदा छह माह की समय-सीमा भी तय कर दी गई है। कहना ग़लत नहीं होगा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सीएपीएफ अधिकारियों की पदोन्नति और उनको फाइनेंशियल प्रोफिट (लाभ) की उम्मीदें बंध गई हैं। इस क्रम में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने चार वर्ष से लंबित कैडर रिव्यू प्रक्रिया, उक्त अवधि में ही पूरी किए जाने के आदेश दिए हैं। यहां पाठकों को यह बताता चलूं कि 3 सितंबर 2015 के दिन अदालत ने अपने फैसले में सीएपीएफ को 1986 से 'संगठित समूह ए सेवा' घोषित कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें इसका फायदा नहीं मिल पा रहा था। गौरतलब है कि सीएपीएफ (केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल) में ओजीएएस का मतलब है 'संगठित समूह ए सेवा।' दरअसल, ओजीएएस एक ऐसा संगठन है जो भारत सरकार द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए बनाया गया है, जैसे कि आईएएस, आईपीएस, आईआरएस आदि।

वास्तव में, सीएपीएफ को ओजीएएस का दर्जा मिलने का मतलब है कि सीएपीएफ के अधिकारी भी आईएएस, आईपीएस, आईआरएस और अन्य केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों के समान लाभ प्राप्त करेंगे, जैसे कि पदोन्नति और गैर-कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 3 जुलाई 2019 को, सर्वोच्च न्यायालय ने सीएपीएफ को ओजीएएस का दर्जा देने का आदेश दिया था। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने यह बात मानी है कि सीएपीएफ अधिकारी, देश की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और वे कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं।

महाराणा प्रताप: शौर्य, बलिदान एवं साहस के प्रतीक

ललित गर्ग

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महान राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस लड़ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे।

इस युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और

महाराणा प्रताप जयन्ती

जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता 'पातल और पीथल' हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दर्शाती है।

आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया। सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश करने वाले भारत के नायक कैसे हो सकते? अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं एवं हिन्दू राष्ट्र के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी- भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचना एवं भारत की समृद्ध विरासत को लूटना। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। ये राष्ट्रनायक हमारी असली प्रेरणा हैं।

thelioncity_30_may_2025.qxd 5/29/2025 8:53 PM Page 5

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर की अध्यक्षता में 30 मई को विभिन्न बैठकों का आयोजन

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 30 मई को विभिन्न बैठकों का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट में सुबह 11 बजे से शिक्षकों के स्वत्वों के भुगतान के संबंध में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की बैठक आहूत की गई है। इसी क्रम में दोपहर 12 बजे वर्षाकाल प्रारंभ होने से पूर्व जिले की सभी सड़कों की मरम्मत के संबंध में बैठक होगी जबकि शाम 4 बजे हिट एण्ड रन प्रकरणों की समीक्षा के उपरांत शाम 4.30 बजे आदिमजाति कल्याण विभाग से संबंधित अनुसूचित जाति एवं जनजाति के प्रकरणों में राहत राशि के आवंटन वितरण की समीक्षा की जायेगी।

मऊगंज जिले में जिला सड़क सुरक्षा समिति गठित

रीवा। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं जिले की समुचित यातायात व्यवस्था एवं प्रबंधन के उद्देश्य से कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में मऊगंज जिले की जिला सड़क सुरक्षा समिति गठित की गई है। समिति में सदस्य के तौर पर पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी, सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शुक्ला, कार्यपालन यंत्री नितिन पटेल क्षेत्रीय कार्यालय एमओआरटी एण्ड एच के प्रतिनिधि, आनंद प्रसाद परियोजना निर्देशक एनएचएआई, महेश पटेल सीएमओ नगर परिषद मऊगंज, मनीष त्रिपाठी आरटीओ, सड़क सुधार के लिये कार्य करने वाले एक नागरिक को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य सचिव व संभागीय प्रबंधक एमपीआरडीसी विनोद कुमार टांटवाय होंगे।

मऊगंज में जिला खनिज मद संबंधी बैठक 3 जून को

रीवा। मऊगंज के कलेक्ट्रेट सभागार में 3 जून का सुबह 10.45 बजे से जिला खनिज मद न्यास समिति की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर मऊगंज संजय जैन करेंगे। इस संबंध में समिति के तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि बैठक में खनिज प्रतिष्ठान मद से प्रस्तावित कार्यों तथा वार्षिक कार्ययोजना पर विचार किया जाएगा। समिति के सभी सदस्यों और संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

संभागीय अधिकारियों ने जल गंगा संवर्धन अभियान में निभाई सहभागिता

रीवा। संभाग के सभी जिलों में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान की मानीटरिंग के लिए कमिश्नर बीएस जामोद द्वारा संभागीय अधिकारियों के 6 दल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों के दल ने रीवा जिले के सेमरिया विकासखण्ड में जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियान्वयन का जायजा लिया। इस संबंध में दल के सदस्य संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी ने बताया कि ग्राम बरा में जल संरक्षण और संवर्धन कार्यों का अवलोकन किया गया। गांव में खेत तालाब तथा स्टापडैम का निर्माण किया जा रहा है।

ग्रामवासियों को जल संरक्षण के कार्यों के संबंध में जागरूक किया गया। ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव तथा ग्रामवासियों से जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में जानकारी ली गई। इसके बाद आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से बच्चों के टीकाकरणए पोषण आहार के वितरणए वजन तथा माप के आधार पर बच्चों के पोषण स्तर के निर्धारण एवं टीएचआर वितरण की जानकारी दी गई। निरीक्षण के समय अधीक्षण यंत्री विद्युत मण्डल प्रभा पाण्डेय तथा अन्य सदस्य शामिल रहे।

बीएमओ गंगेव के खिलाफ कार्यवाही, धर्मपुरा आशा कार्यकर्ता की सेवा समाप्त, एएनएम को निलंबित करने दिए गये निर्देश

52 गर्भवती व प्रसूता महिलाओं की मौत पर कलेक्टर ने तलब की रिपोर्ट

रीवा-मऊगंज जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर उच्च है, नियंत्रण नहीं लग पा रहा है जो जिले के स्वास्थ्य विभाग की नाकामी को प्रदर्शित करता है। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में मुख्य फोकस मातृ-शिशु मृत्यु दर और टीकाकरण पर रहा। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के तेवर काफी सख्त दिखे। संभवतः मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन द्वारा दिए गए निर्देशों का असर था? गर्भवती महिलाओं के पंजीयन से लेकर जांच तक के मामलों में बरती जा रही लापरवाही के लिए जिलाधीश द्वारा संबंधित ब्लाक स्तरीय अधिकारियों के कान उमेठने से किंचित गुरेज नहीं किया गया। अधिकारियों सहित मैदानी अ मले को नसीहत की घुट्टी पिलाई गई। प्रतिमास जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक न होने पर कलेक्टर द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में पुनः समीक्षा की जायेगी। खबर है कि जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक पिछले कई महीनों से नहीं हो रही थी। महीनों बाद 28 मई का विशेष मुहूर्त ढूंढ़ा गया। कतिपय खण्ड चिकित्सा अधिकारियों एवं अन्य संबंधित कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई गई। प्रदेश में रीवा-मऊगंज जिले की स्थिति असंतोषजनक है। प्रतीत होता है कि स्वास्थ्य महकमा और यहां के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी चलनी में पानी भरने से अतिरिक्त कुछ ज्यादा नहीं कर रहे हैं। कलेक्टर ने बीएमओ गंगेव डॉ. देवव्रत पाण्डेय के खिलाफ कार्यवाही करने तथा ग्राम धर्मपुरा की आशा कार्यकर्ता की सेवा समाप्त व एएनएम को निलंबित करने के निर्देश दिए।

■ मातृ-शिशु मृत्यु दर में नहीं लग पा रहा नियंत्रण, लापरवाहों को मिली फटकार

रीवा, नगर संवाददाता।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने स्वास्थ्य विभाग के योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इन पर नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करें। जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक निर्धारित प्रोटोकाल का कठोरता से पालन कराते हुए गर्भवती महिलाओं की जाँच और फालोअप करें। गर्भवती महिलाओं के समय पर पंजीयन न करने वाले आशा कार्यकर्ता पर कड़ी कार्यवाही करें। सभी बीएमओ टीकाकरण केन्द्र एवं प्रसव केन्द्र में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। विभागीय पोर्टल में महिलाओं के पंजीयन, टीकाकरण तथा अन्य जानकारियाँ बीएमओ सात दिवस में दर्ज कराएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हर माह की 9 और 25 तारीख को लगाए जाने वाले शिविरों में अनुपस्थित डॉक्टरों के विरूद्ध कार्यवाही करें। कलेक्टर ने बीएमओ गंगेव के विरूद्ध कार्यवाही करने तथा ग्राम धर्मपुरा की आशा कार्यकर्ता की सेवा समाप्त करने एवं एएनएम को निलंबित करने के निर्देश दिए।

हाई रिस्क 1076 महिलाओं को नहीं चढ़ा खून

कलेक्टर ने कहा कि सभी बीएमओ गर्भवती महिलाओं के पंजीयन तथा नियमित जाँच की हर सप्ताह समीक्षा करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें। टीकाकरण केन्द्र में आवश्यक उपकरणों के साथ एएनएम तथा सीएचओ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। सीएचओ को सभी आठ सत्रों में उपस्थित रहने पर ही प्रोत्साहन राशि मंजूर करें। प्रत्येक मंगलवार तथा शुक्रवार को टीकाकरण करने के साथ.साथ गर्भवती महिलाओं की जाँच एवं अन्य विभागीय गतिविधियों पर भी ध्यान दें। क्षेत्र का भ्रमण न करने वाले कर्मचारियों पर भी कड़ी कार्यवाही करें। बीएमओ टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और जाँच का उप स्वास्थ्य केन्द्रवार डाटा का विश्लेषण कर उसमें मिली कमियों को दूर करें। हाई रिस्क गर्भवती महिला की स्वास्थ्य की हर सप्ताह जानकारी लें। उसकी सभी प्रमुख जाँचे विकासखण्ड स्तर पर की जा सकती हैं। उसे रेफर करते समय जाँच और उपचार की पूरी रिपोर्ट आशा कार्यकर्ता के साथ भेजें। महिला के संबंध में जिला चिकित्सालय और मेडिकल कालेज को भी बीएमओ रेफ्र के समय ही सूचना दे दें जिससे महिला को तत्काल उपचार सुविधा मिल सके। पंजीकृत 71081 महिलाओं में से 16245 एनिमिक पाई गई। इनमें से 1552 हाईरिस्क चिन्हित की गई। हाई रिस्क महिलाओं में से केवल 476 को ही खून चढ़ाया गया। शेष महिलाओं का बीएमओ और जिला स्तर से फालोअप नहीं किया गया। इस स्थिति में सुधार करें। कलेक्टर ने कहा कि सीएमएचओ वर्ष 2024.25 में अब तक हुई 52 गर्भवती और प्रसूता महिलाओं की मौत में प्रत्येक प्रकरण के कारण सहित रिपोर्ट देंए जिनमें मृत्यु के कारण का स्पष्ट उल्लेख करते हुए उत्तरदायी के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। जिन स्थानों में गर्भवती महिलाओं की जाँच की जाती है वहाँ डिजिटल थर्मामीटरए डिजिटल ग्लूकोमीटर, पल्स ऑक्सीमीटर, बीपी इंस्ट्रूमेंट तथा अन्य आवश्यक उपकरण तत्काल उपलब्ध कराएं। हर माह 9 और 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं की नि:शुल्क जाँच की कारगर व्यवस्था करें। बीपीएम और बीपीओ के कार्यों की समीक्षा करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

इसी के आधार पर उनके अनुबंध का नवीनीकरण किया जाएगा। शिशुओं और गर्भवती महिलाओं का संपूर्ण टीकाकरण 92 प्रतिशत है, लेकिन तीन विकासखण्डों में प्रगति ठीक नहीं है। अतिरिक्त दल तैनात कर शत.प्रतिशत टीकाकरण कराएं। बैठक में कलेक्टर ने पोषण पुनर्वास केन्द्र में कुपोषित बच्चों की भर्ती, एसएनसीयू के भर्ती बच्चों के फालोअप तथा चाइल्ड डेथ रिपोर्ट के संबंध में निर्देश दिए।

लापरवाह एएनएम का रोका गया वेतन

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि लक्षित गर्भवती में से 87 प्रतिशत का समय पर पंजीयन करके उनकी नियमित जाँच की गई है। हाई रिस्क महिलाओं के लिए जिला अस्पताल सहित पाँच अस्पतालों में वेटिंग रूम की व्यवस्था की गई है जहाँ प्रसव से एक सप्ताह पूर्व महिलाएं भर्ती हो सकती हैं। उप स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक दवायें तथा उपकरण तत्काल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शिशुओं के टीकाकरण के लिए निर्धारित 40829 सत्रों में से 38583 सत्रों का आयोजन करके 92 प्रतिशत टीकाकरण किया गया है। टीकाकरण में लापरवाही बरतने वाली एएनएम का वेतन रोका गया है। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा, टीकाकरण अधिकारी डॉ. बीके अग्निहोत्री, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रतिभा पाण्डेय, डीपीएम राघवेन्द्र मिश्रा, जिला क्षय अधिकारी डॉ. अनुराग शर्मा, डॉ. सुनील अवस्थी तथा सभी बीएमओए बीपीओ उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने यात्री बसों पर कसा शिकंजा

53 बसों से वसूला गया 27500 समन शुल्क

रीवा, नगर संवाददाता।

यातायात पुलिस टीम ने बुधवार के दिन यात्री लेकर जा रही बसों पर चालानी कार्यवाही की है। पुलिस की कार्यवाही में 53 बसों में खामियां पाई गई, जिनके विरुद्ध जुर्माना लगाया गया है। यातायात थाना प्रभारी अनीमा शर्मा ने बताया कि बुधवार के दिन वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर से निकलने वाली यात्री बसों पर कार्यवाही की गई है। यातायात के नियमों एवं संबंधित दस्तावेजों की कमी को देखते हुए 53 बसों पर यातायात टीम ने जुर्माना लगाया है। बुधवार के दिन चली इस कार्यवाही में 27 हजार 500 रुपये समन शुल्क वसूला गया।

आमने-सामने भिड़ी दो बाइक, तीन हुये घायल

गुढ़ थाना के महसांव स्थित रेडियो स्टेशन के समीप हुआ हादसा

रीवा। गुढ थाना क्षेत्र के महसांव रेडियो स्टेशन के समीप बुधवार की दोपहर दो बाईकों के बीच हुई सीधी टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना के बाद घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से संजय गांधी अस्पताल लाया गया है जहां उपचार जारी है।

घटना के संबंध में धर्मेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि दोपहर दो बाईकों में सीधी टक्कर गुढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत महसाव रेडियो स्टेशन के सामने हो गई। इस सड़क हादसे में एक बाइक पर दो लोग सवार थे जबकि दूसरी बाइक में एक युवक सवार था दोनों बाइक के बीच हुई टक्कर के बाद तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। अचेत अवस्था में तीनों युवकों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया है। बताया गया कि घटना में एक बाइक में सवार रामलाल साकेत और गंगा साकेत निवासी ग्राम चौड़ियार थाना गुढ़ घायल हुए है, जबकि दूसरे बाईक में सवार युवक की पहचान का प्रयास पुलिस द्वारा किया जा रहा था।

प्रधान आरक्षक ने पकड़ाई 631 शीशी कोरेक्स

सिविल लाइन पुलिस ने की कार्यवाही, आरोपी फरार

रीवा, नगर संवाददाता।

बुधवार की सुबह नशीली कप सिरप की तस्करी कर रहे स्कूटी सवार तस्कर पुलिस के हाथ लगे हैं जो पुलिस को देख स्कूटी और कोरेक्स छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने अज्ञात दो आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर स्कूटी समेत नशीली सिरप जब्त किया है। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार की सुबह प्रधान आरक्षक शिवाजीत रेलवे स्टेशन से लौट रहे थे तभी जेपी मोड़ के समीप स्कूटी सवार दो युवक संदिग्ध बोरी लादकर जा रहे थे जिनका शिवाजीत ने पीछा कर लिया। स्कूटी सवार आगे जाकर संगम नगर ढेकहा वार्ड क्रमांक की ओर मुड़ गये तभी प्रधान आरक्षक ने उनको रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देख आरोपी स्कूटी और कोरेक्स छोड़कर भाग निकले। इसी बीच सूचना पाकर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंच गई और पुलिस ने मौके से करीब 1.25 लाख रुपए की अवैध आनरेक्स नशीली कफ सिरप सहित स्कूटी क्रमांक एमपी 17 जेडएफ 9107 को जब्त किया है, साथ ही आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उनकी तलाश की जा रही है।

बताया गया कि पुलिस स्कूटी की पहचान कर ली है, जिससे जल्द ही पुलिस आरोपियों तक पहुंचेगी। बताया गया कि सिविल लाइन टीम रेलवे स्टेशन से लौट रही थी तभी रास्ते में उसे दो संदिग्ध युवक स्कूटी में बोरी लोड किए संदिग्ध हालत में जाते दिखे, जिसके बाद पुलिस ने उनका पीछा किया तो आरोपी स्कूटी छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने करीब सबा लाख कीमत की 631 शीशी नशीली कफ सिरप को जब्त कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है, जिनके पकड़े जाने के बाद नशीली कफ सिरप के और आरोपियों तक पुलिस पहुंचने का प्रयास करेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्राम कंदैला में निकाली गई जल रैली

रीवा। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ.साथ जल गंगा रैली, जल संगोष्ठी और जल चौपाल के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में गत दिवस गंगेव विकासखण्ड के ग्राम कदैला में जल गंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ करते हुए विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जल संरक्षण से ही पानी की समस्या दूर होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से जल स्रोतों की साफ सफाई और सुधार के साथ.साथ नई जल संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। हर व्यक्ति अपने गांव के जल स्त्रोत को साफ सुथरा और पानी से भरा.पूरा बनाने के लिए श्रमदान करे। इसके साथ.साथ वर्षाकाल में कम से कम एक पौधा रोपित करके उसकी उचित देखभाल करे। वृक्षारोपण से भी जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। कदैला ग्राम में जल गंगा रैली तेजा तालाब तक निकाली गई। इसके बाद रैली में शामिल जनप्रतिनिधियों तथा आमजनों ने तालाब की साफ सफाई में श्रमदान किया। रैली में जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी, एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी, तहसीलदार सुमित गुप्ता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्राची चौबे, नायब तहसीलदार राजीव शुक्ला, जनपद सदस्य गणेश सिंह, जनपद सदस्य प्रेमवती, सरपंच मुकेश पटेल, जन अभियान परिषद की विकासखण्ड समन्वयक अनीता मिश्रा, डॉ. विष्णुदेव कुशवाहा एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नरवाई जलाने को लेकर हुआ विवाद, दो पक्ष घायल

■ सेमरिया थाना के गौरा गांव का मामला

रीवा। खेत में नरवाई जलाने के विवाद में दो पक्षों के बीच हुए विवाद में दूसरे पक्ष के लोगों ने एक पक्ष के लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया। बताया गया कि नरवाई जलाने से आग की लपटे आम के बगीचे तक पहुंची जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। मारपीट की घटना में गंभीर हालत में घायल युवक को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सेमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गौरा की है। घटना के संबंध में घायल शिवकुमार द्विवेदी की मां किशोरी देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि पड़ोसियों द्वारा खेत की नरवाई जलाई जा रही थी इस दौरान नरवाई की आग की लपटे उनके आम के बगीचे तक जा पहुंची जिससे उनके करीब आधा दर्जन पेड़ों को नुकसान हुआ है। उनके पुत्र शिवकुमार ने जब इसका विरोध किया तोआरोपियों ने गाली गलोज करते हुए अकेला पाकर लाठी डंडे रॉड से हमला बोल दिया। मारपीट की घटना में शिवकुमार को गंभीर चोट पहुंची जिसके बाद परिजनों ने घटना की शिकायत सेमरिया पुलिस से की है वहीं घायल को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया है, जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है।

धर्म कर्म

प्रभाकर गुड्डू सिंह ने कथा श्रवण करने लोगों से किया आग्रह

गढ़ में बह रही श्रीमद्भागवत कथा की सुरसरिता

रीवा, नगर संवाददाता।

विगत 24 मई से लौरी मोड़ गढ़ दिखित हाउस में श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के कथा व्यास जानकी प्रसाद पाण्डेय हैं जिनके मुखारबिंदु से अमृत वर्षा प्रकट हो रही है। इस ज्ञान यज्ञ के मुख्य कथा श्रोता आदित्य प्रताप सिंह ऋषि एवं आनंद प्रताप सिंह हैं। उल्लेखनीय है कि स्मृतिशेष सुधाकर सिंह के प्रथम पुण्यस्मृति में लौरी मोड़ गढ़ में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 24 मई से प्रारंभ हुआ है। यह कथा सुबह 8 से 11 बजे तक एवं सायं 4 बजे से प्रारंभ हो रहा है। प्रभाकर गुड्डू सिंह ने बताया कि 24 मई को कलश यात्रा एवं भागवत कथा की बैठक हुई। 25 मई को सुकदेव जी का जन्म, बिदुर चरित्र, 26 मई को बिदुर संवाद, ध्रुव चरित्र, 27 मई को श्रीरामकथा, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 28 मई को पूतना वध, गोवर्धन पूजा, 29 मई को श्रीकृष्ण रुक्मणि विवाह एवं 30 मई को सुदामा चरित्र कथा विश्राम, हवन, तर्पण किया जाएगा। कार्यक्रम दर्शनाभिलाषी के तौर पर चक्रधर सिंह, कल्याण सिंह, दिवाकर सिंह, स्वागताकांक्षी के रूप में रामसिंह, प्रवीण सिंह, हिमांशु सिंह, अजय सिंह, विजय वीर विक्रम प्रताप सिंह, आनंद प्रताप सिंह एवं विनीत के रूप में प्रभाकर गुड्डू श्रीमती नीलम सिंह ने गढ़ क्षेत्र के समस्त आमजन लोगों को श्रीमद्भागवत कथा में सम्मिलित होकर ज्ञान प्राप्त करने का अनुरोध किया है। 31 मई को महाप्रसाद वितरण एवं प्रीतभोज का आयोजन किया गया है।

कोतवाली पुलिस ने देवलौंद से पकड़ा बाइक चोरी का आरोपी

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर की सिटी कोतवाली पुलिस ने 10 मई को अस्पताल चौराहा के पास से चोरी हुई एचएफ डीलक्स बाइक के आरोपी देवलोंद के करौदिया से गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी चोरी की बाइक को गोविंदगढ़ पहाड़ में छिपाकर रखा था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बाइक बरामद कर ली है। सिटी कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बाइक क्रमांक एमपी 53 एमएफ 6353 के चोरी होने की शिकायत पर सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान की गई जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की पहचान कर आरोपी सचिन पटेल उर्फ दुर्लभ पिता हीरालाल पटेल23 वर्ष निवासी लखौरी बाग वार्ड क्रमांक दो को पकडने पुलिस टीम देवलोंद के करौदिया भेजी जहां से आरोपी पकड़ा गया और उसकी निशानदेही पर बाइक बरामद की गई। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा गया है।

thelioncity_30_may_2025.qxd 5/29/2025 8:53 PM Page 6

संक्षिप्त समाचार

अभिषेक का सहायक प्राध्यापक पद में हुआ चयन

सीधी। शिक्षाविद में अच्छी उपलब्धि हांसिल करने वालों को आज भी मेहनत का परिणाम मिलता है। इसी परिप्रेक्ष्य में एक मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे अभिषेक पाण्डेय का चयन सहायक प्राध्यापक के पद पर हुआ है। मालूम हो कि उनके पिता ब्रिजनंदन प्रसाद पाण्डेय बीईओ कार्यालय में पदस्थ हैं। वहीं माता श्रीमती प्रवीण पाण्डेय गृहणी हैं। अभिषेक शुरू से केंद्रीय विद्यालय सीधी में पढ़ाई किए। इसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी में उन्होने पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री हांसिल करने के बाद इंदौर में जॉब सहित तैयारियां किए। मेहनत की वजह से मध्य प्रदेश के 13 सीट में अभिषेक पाण्डेय का सहायक प्राध्यापक इतिहास विषय में चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर माता-पिता तो गौरवान्वित हैं ही साथ ही शुभचिंतकों सहित आम लोग भी खुशी जाहिर कर रहे हैं।

एनएच 39 पर 15 साल से फर्जी राजनीति : विवेक

सीधी। सीधी-सिंगरौली को जोडने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-39 एक बार फिर से चर्चा में है। शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय ने इस अधूरे और बदहाल मार्ग को लेकर सरकार, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और निर्माण एजेंसियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों से इस सडक़ के नाम पर केवल फर्जी राजनीति हो रही है और जनता आज भी मूलभूत सडक़ सुविधा के लिए तरस रही है। पाण्डेय ने कहा एनएच-39 का आधा-अधूरा निर्माण कार्य केवल भ्रष्ट तंत्र और लापरवाह प्रशासन की देन है। सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन सडक़ वहीं की वहीं है। अब यह मार्ग विकास का प्रतीक नहीं, बल्कि मजाक का विषय बन चुका है।

घर से लापता विक्षिप्त युवक का नहीं मिल रहा सुराग

सीधी। जिला मुख्यालय के समीपस्थ नौढिया गांव के निवासी अखिलेश सिंह उम्र 22 वर्ष जो 23 फरवरी से लापता है। वह बचपन से मंदबुद्धि का है। जिसका सुराग आज तक नहीं लग पा रहा है। इसकी सूचना थाने में भी दी जा चुकी है। जिस पर पुलिस द्वारा गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इस संबंध में फरियादी ओमकार सिंह बघेल पिता कौशल डक्षसह ने बताया कि मेरा बालक की दिमागी स्थिति ठीक नहीं है। 23 फरवरी को शाम 5 बजे घर से निकला जो आज तक वापस नहीं आया। जिससे परिजन काफी परेशान हैं। पिता द्वारा पतासाजी करने वालों को ईनाम की घोषणा किए हैं।

तीसरी पंचवर्षीय में भी क्या पूरा हो जायेगा एनएच-39 का निर्माण कार्य

सिंगरौली जिले का हिस्सा खण्ड-खण्ड, किन ग्रहों की महादशा से बुझ गये सैकड़ों घरों के दीपक?

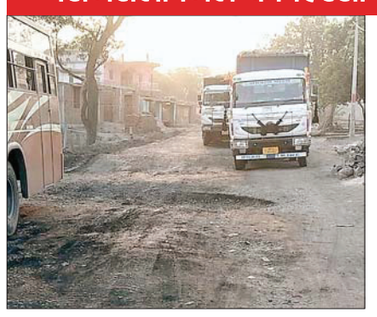

सीधी (नि.प्र.)

रीवा को रांची से वाया सीधी- सिंगरौली जोड़ने वाली 4 लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 39 सड़क लगभग डेढ़ दशक से खण्ड खण्ड में बन रही है। या यूं कहें कि इसे जैसे तैसे बनाने की कोशिश की जा रही है। जहाँ तक सिंगरौली जिले में इस सड़क की हालत का सवाल है, इस हिस्से में यह फोरलेन सड़क खण्ड खण्ड और जहाँ तहाँ गड्ढे व खंदकों में दुबकी दिखाई देती है। निकायों, विधानसभा व लोकसभा के कोई चुनाव बीत गये। नेता बदल गए, अधिकारी भी बदल गए, लेकिन यदि कुछ नहीं बदला तो वह है सिंगरौली जिले में इस मार्ग का हिस्सा। खनहना अंतर्राज्यीय सीमा से लेकर बरगवां तक इस सड़क की हालत को क्या ही कहा जाये। एनएच 39 के इस हिस्से पर न जाने किन ग्रहों की काली छाया पड़ी है, यह जिज्ञासा का विषय है।

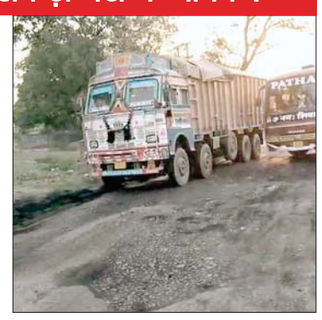

इस सड़क की कहानी पर बन सकती है मूवी

इस सड़क के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 39 के रूप में घोषणा और इसके निर्माण की बहुआयामी कहानी पर क?ई उपन्यास व कहानी संग्रह लिखे जा सकते हैं। यह बॉलीवुड के लिए भी एक अद्वितीय कथानक दे सकता है। इस पर बना धारावाहिक, लोकप्रिय हो सकता है। फिल्में बनाई जा सकती हैं।

रोचक है इसके निर्माण की कहानी

एनएच 39 के निर्माण कार्य एक दशक से भी पहले शुरू किया गया था। यह तीसरी पंचवर्षीय चल रही है। अब तक लगभग आधा दर्जन ठेकेदार इससे पीछा छुड़ा चुके हैं। पूर्व निर्धारित लागत क?ई गुना बढ़ चुकी है। आए दिन हो रहे दुर्घटनाओं में सैकड़ों जानें जा चुकी हैं। जमीन पर इसकी स्थिति किसी से छुपी नहीं है। बार-बार निर्माण में लगी कंपनी हाथ खड़े कर अपना कैंप समेटकर मशीनों के साथ वापस चली गई हैं। ऐसी स्थिति के लिए कुछ तो मजबूरी रही ही होगी शायद!

संभवतः इन ग्रहों की चल रही महादशा

शायद इस मार्ग पर नेता और अफसर नामक ग्रह एक ही घर में विराजमान हो गए हैं और उनकी महादशा इस बेचारी सड़क और इस पर चलने वाली विवश जनता पर चल रही है। नये ठेकेदार के आते ही पंडाल सजाया जाता है। विधिवत भूमि पूजन कर फिर से शिलापट्ट लगाया जाता है। माइक चोंगा लगाकर बयानबाजी और आश्वासन दिये जाते हैं। पत्रकारों से कवरेज कराया जाता है। लेकिन न जाने वह कौन सा कारण है कि इस सड़क के सवाल पर जन प्रतिनिधि या तो बंगले झांकने लगते हैं, या वे भड़क जाते हैं। किसी भी दशा में वे इस मार्ग को लेकर कुछ बोलने से कतराते हैं। न जाने क्या कारण है कि एनसीएल, एनटीपीसी जैसी कंपनियां जो इस सड़क का निर्माण अपने संसाधन से करने में पीछे नहीं हटेंगी, फिर भी एमपीआरडीसी व प्रशासन उन्हें निर्माण करने का अवसर देने के बजाय सिर्फ पैसों की मांग करते हैं।

दुर्दशा पर विहंगम दृष्टि

गत मंगलवार को नौढिया के इसी गड्ढे में एक यात्री बस भी फंस गई थी। मजबूर सवारियों को उतरकर दूसरे वाहन से जाना पड़ा। सिंगरौली गोरबी मार्ग के बीच परेवा नाला पर खस्ताहाल सड़क के कारण आए दिन जाम लगता है। आए दिन यहाँ छोटी बड़ी दुर्घटना होती रहती है। इस चढ़ाई पर कोयला लदे वाहन अक्सर बिगड़ जाते हैं जिससे कई किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है। कुछ ऐसा ही हाल सिंगरौली औड़ी मार्ग पर चटका का है, जहां शमशान घाट के पास की सड़क दयनीय स्थिति में है। इस मार्ग पर निर्मित नए पुल को खोला नहीं गया है, शायद कुछ कमी होगी। फिलहाल वाहनों को टूटी सड़क और अंग्रेजों के समय बने जर्जर पुल से आने जाने को मजबूर होना पड़ता है।

टूट रहा जनमानस का धैर्य

जनता जनार्दन है। भले ही एनएच 39 के निर्माण का सपना वर्षों से देखते देखते अब वह उकता गई है। फिर भी नेताओं की कारस्तानी, प्रशासन की लचरता और शासन के दुराव को अपनी पथराई आँखों से देख रही है। सब कुछ समझ रही है?। मन ही मन आक्रोशित भी हो रही है। अगर समय रहते इस मार्ग को दुरुस्त नहीं किया गया तो समय आने पर जनता भी अपना आक्रोश उगल देगी, इसमें कोई दो मत नहीं है। लोगों का कहना है कि इस अव्यवस्था में शामिल लोग ही तमाम दुर्घटनाओं में अपाहिज हुए लोगों के दोषी और जान गंवाने वालों के परिवारों के कोपभाजन अवश्य ही कहे जाएंगे।

गिनीज़ बुक में दर्ज कराने की तैयारी!

बीते साल दिसंबर माह में सिंगरौली सीधी सांसद डा. राजेश मिश्रा ने निर्माणाधीन सड़क एनएच 39 का निरीक्षण किया था। तब उन्होंने आश्वासन दिया था कि 90 प्रतिशत तक सड़क का निर्माण कार्य जून 25 तक कर लिया जाएगा। इसके लिए वह हर माह के अंतिम सप्ताह में सड़क का निरीक्षण करने आने वाले थे। सब ढाक के तीन पात ही साबित हुए। यह अनाथ सड़क अपने निर्माण की स्थिति के कारण भारत में तो चर्चा के केन्द्र में है ही, संभवतः अपनी दुर्दशा और प्रशासनिक अव्यवस्था के चलते जल्द ही इसे गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी जगह दे दी जाएगी। यहां जिस ढंग से कार्य हो रहा है शायद ही दुनिया में कहीं और हुआ होगा। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बीते वर्ष राज्य सभा में बोलते हुए कहा था कि सीधी- सिंगरौली (एनएच 39) की हालत पर एक महाग्रंथ लिखा जा सकता है। इसकी हालत देखकर यह कहा जा सकता है कि गडकरी जी के कथन को चरितार्थ करने की तैयारी कर ली गई है। ऐसा लगता है कि मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) और जिला प्रशासन को प्रतिदिन हो रही घटनाओं-दुर्घटनाओं तथा जहाँ तहाँ लगने वाले जाम से कोई फर्क नहीं पड़ता। शायद इसीलिए इस मार्ग का निर्माण तो दूर, जानलेवा गड्ढों में बदल चुके इस सड़क का मरम्मत कराना भी जरूरी नहीं समझा जा रहा है। सघन औद्योगिक सर्किट जिसमें खनहना से लेकर सिंगरौली व बरगवां तक के मार्ग पर कई जगह जानलेवा गड्ढे बन गए हैं। गोरबी बरगवां मार्ग पर कसर के समीप एवं ग्राम नौढिया में निर्माणाधीन पुल के समीप के गड्ढे बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंच गए हैं। यहाँ से चार पहिया लेकर गुजरना भी जानलेवा हो सकता है।

सत्यता की जांच करने में जुटी पुलिस

■ कांग्रेस नेता की जेल से रिहाई के बाद पाक समर्थक नारे लगने का आरोप

सीधी (नि.प्र.)

मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति घोर निंदनीय टिप्पणी करने के आरोप में जेल भेजे गए कांग्रेस नेता को मंगलवार को जमानत मिल गई। जेल से रिहाई के समय खुशी के आवेग में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने का नया आरोप सामने आ गया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऐसा आरोप है कि कांग्रेस नेता की रैली में यह नारे लगाए गए हैं। वहीं मामले में पुलिस वीडियो की जांच कर रही है।

सीएसपी पीएस परस्ते का कहना है कि वीडियो सही है या इसमें कोई एडिटिंग तो नहीं की गई है, इन सब पहलूओं पर जांच की जा रही है।

बीते दिनों आरएसएस पर टिप्पणी करने के बाद कांग्रेस नेता राम शिरोमणि शाहवाल को न्यायालय ने जेल भेजा था। मंगलवार को उनकी रिहाई के समय समर्थक सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ जिला जेल पचोर पहुंचे। जहां रिहाई के बाद कांग्रेस नेता के साथ लौटते वक्त समर्थकों ने नारेबाज की। आरोप है कि इस दौरान पाकिस्तान के समर्थन में नारे भी लगाए गए।

इस संबंध में सीएसपी पीएस परस्ते ने बताया कि अब तक इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है। इस तरह की नारेबाजी की गई है या नहीं। रैली के दौरान पुलिस की टीम मौजूद थी। पुलिस जगह-जगह से वीडियो खंगाल रही है। रैली में शामिल बाकी लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो की भी जांच की जा रही है।

सहजी तालाब में डूबने से बालिका की मौत

सिहावल। जनपद सिहावल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सहजी निवासी इस्लामुद्दीन मुस्लिम के बिटिया की पुत्री सोनवर्षा नानी के यहां घूमने आई थी। जिसका नाम रुखसार उम्र 5 साल है। माता रहमुल पिता अब्दुल रशीद अंसारी उम्र 32 वर्ष है। नया तालाब में मृत अवस्था में बच्ची मिली है। जानकारी के अनुसार मौके पर पुलिस पहुंची थी। घटना के जांच में जुटी मौके स्थल पर पुलिस पंचनामा लिया गया। जहां चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं। इस मामले में पिता ने आरोप लगाया है कि मेरी बच्ची को किसी ने मार कर फेंक दिया है। फिलहाल थाना प्रभारी अमिलिया राकेश बैस द्वारा शव वाहन से पोस्टमार्टम सीधी के लिए भेजा गया। वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच करने की बात कह रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि हत्या है या खुद तालाब में कूदकर मौत हो गई है। इस पर आगे की कार्यवाही होना माना जा सकता है।

वट सावित्री पर्व के अवसर पर संगोष्ठी

सीधी (नि.प्र.)

मप्र शासन के मनसा अनुसार जिला प्रषासन द्वारा जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक षिवदत्त उमर्लिया एवं ब्लॉक समन्वयक अनिल कुमार पाठक के मार्गदर्षन में लगातार विकास खण्ड सिहावल के सेक्टर बहरी के विभिन्न क्षेत्रों में सावन ग्रामीण विकास एवं जन कल्याण समिति मौहरिया द्वारा जल गंगा संवर्धन एवं जल संरक्षण अभियान अन्तर्गत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में जल को बचाने के लिए आज आदर्ष ग्राम मौहरिया में जन समुदायों को संकल्प दिलाया गया कि अपने-अपने घर में एवं घर के बाहर जहां भी जाये जल संरक्षण के प्रति लोगों को प्रत्साहित करें इसी अवसर पर ब्लाक समन्वयक एवं जिला समन्वयक अधिकारी षिवदत्त उमर्लिया द्वारा अपने उद्बोधन में यह बताये कि 05 जून से कम से कम हर व्यक्ति 5-5 पौधा अपने घर में रोपण करें।

दूसरी कडी में बृजेन्द्र प्रसाद शुक्ला समिति अध्यक्ष द्वारा आदर्ष गॉव मौहरिया के लिए जन समुदायों के बीच में अपना विचार व्यक्त करते हुए यह बताये कि मैं श्रमदान के माध्यम से मौहरिया तालाब भीट एवं घाट के सफाई का कार्य लगातार एक हप्ता चलाया एवं शासन की समस्त 22 प्रकार की योजनाएं है जैसे-नषा मुक्ति, जल संवर्धन, महिला शसक्तिकरण एवं आयुष्मान कार्ड, कर्मकार मण्डल श्रम कार्ड, आवास इत्यादि योजनाओं के बारे में 90 प्रतिषत गरीब तबके लोगों के फायदे का कार्य किया गया। आये दिन कम से कम सार्वजनिक स्थानों पर एवं गॉव के लोगों के घर 2-2, 3-3 पौधे जैसे खम्हार, सागौन, नीम, आम, इत्यादि लगवाने का कार्य करेगें।

समापन की कडी में रोजगार सहायक पवन प्रसाद त्रिपाठी मौहरिया, समाज सेवी संतोष प्रसाद शुक्ला, तुलसी प्रसाद साहू, डॉ0 ज्ञानेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने जल संवर्धन के बारे में अपना-अपना विचार व्यक्त किये।

चिन्मय आश्रम में चल रहा श्रीराम कथा का आयोजन

सीधी (नि.प्र.)

चिन्मय मिशन सेवा आश्रम में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास चुरहट राज परिवार के आचार्य त्रिपुष्कर शास्त्री ने भगवान शिव व माता पार्वती के विवाह और श्रीराम के जन्म की कथा सुनाकर भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि राम कथा का आनंद तभी है जब वक्ता और श्रोता दोनों सुरए लयए ताल मिलाकर कथा का रसपान करे। प्रेम प्रकट हो जाए तो परमात्मा खुद प्रकट हो जाएगें। व्यक्ति को सिद्ध होने की आवश्कता नहीं है, शुद्ध होने की जरूरत है। कथा व्याश त्रिपुष्कर महराज ने भगवान शिव के विवाह प्रसंग पर कहा कि शिव का अर्थ विश्वास और पार्वती का श्रद्धा होता है, उन्होंने कहा कि जिनके जीवन में विश्वास व श्रद्धा होती है उनके हृदय में भगवान श्रीराम प्रकट होते है। भगवान राम के जन्म की कथा सुनाते हुए कहा कि आयोध्या के राजा दशरथ की रानी कौशिल्या के गर्भ से चैत्र शुल्क नवमी को पुनर्वसू नक्षत्र में भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। ज्ञात हो कि चिन्मय मिशन आश्रम रीवा में चुरहट गढ़ी के राव रणबहादुर सिंह जो वन गवन के परम्परानुसार राज्य का त्याग कर संत जीवन स्वीकारा और स्वामी प्रशांतानंद सरस्वती महाराज के रूप में प्रतिष्ठित हुए।

कमिश्नर ने जल गंगा संवर्धन अभियान में सिंगरौली में कंचन नदी में किया श्रमदान

सीधी (नि.प्र.)

प्रदेश सरकार द्वारा विगत 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने अभियान के तहत सिंगरौली जिले के गड़ेरिया पंचायत पहुचकर कंचन नदी के पुनर्जीवन कार्य में श्रमदान किया। कमिश्नर तथा अन्य अधिकारियों ने नदी में गेबियन संरचना के पास साफ-सफाई की। इस अवसर कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान जल संकट के लिए मानव ही जिम्मेदार है। हमने पानी का अंधाधुंध उपयोग किया और वनों का विनाश किया। जिसके कारण धरती के जल भण्डार खाली हो रहे हैं। जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि आज से ही कल के लिए जल संरक्षण करें। हमने समय रहते जल संरक्षण के लिए प्रयास नहीं किया तो भावी पीढ़ी का जीवन संकट में होगा। उन्होंने कहा कि हमें प्रयास करना होगा कि खेत का पानी खेत में गांव का पानी गांव मे रहे जिससे स्वच्छ पेयजल की समस्या का समाधान हो सके। कमिश्नर ने कहा कि हमें अपनी विचारधारा को सुधारते हुये संकल्प लेना होगा कि हम पानी की हर एक बूंद को संरक्षित रख सकें। जल संरक्षण के लिए अपने जीवन शैली में उचित जल प्रबंधन को आत्मसात करना होगा। जल गंगा संवर्धन अभियान मे चल रहे कार्यों में हर व्यक्ति अपना योगदान दे। सामूहिक योगदान के माध्यम से ही किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है। कमिश्नर ने वृक्षों का महत्व बताते हुए कहा कि वनों से ही वर्षा होती है। नदियों को भी वनों से ही जल मिलता है। इसलिए हमें जल संरक्षण के साथ-साथ वृक्षारोपण में भी अपना योगदान देना होगा। हमें जल स्रोतों के आसपास वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर हरित पट्टी का निर्माण करना होगा जिसके माध्यम से हम मिट्टी के काटव को रोकने में सफल होगे साथ ही नदियां सदानीरा रहेंगी। इस अवसर कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला ने कहा कि जल के अपव्यय एवं वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से आज हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस ने दो बालिकाओं को किया दस्तयाब

सीधी (नि.प्र.)

गुमशुदा बालिकाओं की दस्तयाबी में सीधी पुलिस ने एक और सफलता हांसिल करते हुए सिंगरौली और मैहर से दो नाबालिगों को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे गुमशुदा बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु विशेष अभियानष् के तहत सीधी पुलिस द्वारा निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक को दो अलग-अलग मामलों में लापता हुई नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों को सौंप दिया गया। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा के नेतृत्व में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, श्रीमती गायत्री तिवारी, एसडीओपी चुरहट आशुतोष द्विवेदी के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी रामपुर नैकिन एवं जमोड़ी के दिशा-निर्देशन में संपन्न की गई। जिसमें थाना जमोड़ी में दिनांक 22 मई 2025 को थाना जमोड़ी में एक परिजन द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी नाबालिग पुत्री बीती रात भोजन के बाद सोने चली गई थी, लेकिन सुबह उठने पर वह घर में नहीं मिली। परिजनों द्वारा आसपासए रिश्तेदारों व परिचितों में भरसक तलाश की गईए किंतु कहीं कोई सुराग नहीं मिला। 16 मई 2025 को चौकी पिपरांव रामपुर नैकिन में एक पीड़ित द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी नाबालिग पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है।

मनमानी

आए दिन होता है विवाद, ग्राहकों को मिलती हैं धमकियां

शराब विक्रेता दुकानों में नहीं लगा रहे रेट लिस्ट की सूची

सीधी (नि.प्र.)

जिले में शराब दुकानों में रेट सूची चस्पा न होने एवं मनमानी रेट पर शराब बेंचने को लेकर आए दिन विवाद होता है। इसके बाद भी जिम्मेदार आबकारी विभाग कोई पहल नहीं करता है। इस मामले में कई बार मुद्दा उठ चुका है। सीएम हेल्पलाइन तक शिकायतें उठ चुकी हैं। इसके बाद भी रेट सूची चस्पा करना उचित नहीं समझा जा रहा है।

शहर की शराब दुकानों में प्रिंट रेट से अधिक दर पर शराब बेंचने की शिकायतें कलेक्टर से भी हो चुकी हैं। पहले भी मामने सामने आए हैं। आबकारी विभाग की मिलीभगत से शराब माफियाओं के हौंसले बुलंद हैं।

इसके बाद भी आबकारी अधिकारी के संज्ञान में नहीं है। आरोप है कि शराब कारोबारियों के हौंसले इतने बुलंद हैं कि लायसेंसी दुकान के ठेकेदारों को न तो नियम-कानून का भय है न ही आबकारी विभाग का पालन कर रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री और अवैध संचानल, रेट सूची न लगाना और निर्धारित समय के बाद भी देर रात तक बिक्री करना किस नियम के तहत है। यहां तक कि दुकानों के सामने गोमती में भी शराबियों का जमावड़ा बना रहता है।

सम्राट चौराहा की शराब दुकान बनी मिनी अहाता

शहर के सम्राट चौक की शराब दुकान मिनी अहाता का रूप ले चुकी है। सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि नगर पालिका की नालियां शराब की बोतलों, डिस्पोजल, पाइप से पट चुकी हैं। वहीं शराबियों का जमावड़ा दुकान के सामने गैलरी में दिखता है। जो कि खुलेआम शराब पीते दिखते हैं। इसके बाद भी न तो पुलिस कार्यवाही कर रही है न ही जिम्मेदार आबकारी विभाग की नजर है। इसके साथ ही अवैध शराब बिक्री चरम पर है। उस पर भी पाबंदी लगाना उचित नहीं समझा जा रहा है।

जल्द ही कराई जाएगी सूची चस्पा : कुशवाह

इस संबंध में जिला आबकारी अधिकारी संतोष सिंह कुशवाह ने कहा कि मैं अभी बाहर हूं। जल्द ही इस मामले में कार्यवाही की जाएगी। दुकानदारों द्वारा यदि सूची चस्पा नहीं की गई है तो उस पर नोटिस जारी करेंगे कि वह सूची चस्पा करें। साथ ही उप निरीक्षक को भी निर्देशित किया जाएगा कि वह निगरानी रखें। कहीं दुकान के सामने शराब पीने वालों पर भी कार्यवाही होगी। इसके लिए ठेकेदार जिम्मेदार रहेंगे कि वह अपनी दुकान के सामने शराब न पिलाएं।

रीवा कमिश्नर की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

सीधी (नि.प्र.)

रीवा कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक के दौरान कमिश्नर श्री बीएस जामोद ने राजस्व प्रकरणों की जानकारी लेने के पश्चात कहा कि सिंगरौली जिले की राजस्व विभाग के प्रकरणों के निराकरण की प्रगति प्रशंसनीय है। उन्होंने निर्देश दिए कि सीमांकन, नामांकन, बटनवारा, डायवर्सन, नक्शा तरमीम से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों का समय सीमा के भीतर पूर्ण करें। लंबित प्रकरणों को क्लस्टरवार विभाजित कर संवाद से समाधान अभियान प्रति एक क्लस्टर में आयोजित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिया कि जिस क्लास्टर में संवाद से समाधान अभियान चलाया जाना है उसकी सूचना पटवारी, सरपंच एवं पंचायत सचिव के माध्यम से आम लोगो को अवगत करायें। शिविर स्थल पर तहसीलदार उपस्थित रहकर यह सुनिश्चित करे कि संबंधित क्लस्टर के आरआई पटवारी अपने रिकार्ड के साथ उपस्थित रहे। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि विवादित राजस्व प्रकरणो की पटवारी द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का स्थल पर जाकर परीक्षण करे। कमिश्नर ने कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला को निर्देश दिए कि चालाए जा रहे अभियान के मानीटरिंग के लिए दल गठित कर प्रति दिवस की जानकारी प्राप्त करे। कमिश्नर श्री जामोद ने समग्र ई केवायसी सत्यापन के प्रगति की समीक्षा करते हुयें नाराजगी जाहिर की। उन्होने पंचायत एवं नगरीय क्षेत्र के वार्डवार ई केवायसी के सत्यापन की जानकारी प्रति दिवस लेने के निर्देश दिए।

thelioncity_30_may_2025.qxd 5/29/2025 8:53 PM Page 7

सिटी स्पोर्ट्स

टेनिस समर कैंप में खेल के गुर सीख रहे प्रशिक्षणार्थी

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा 21 अप्रैल से टेनिस के समर कैंप जारी है। बहुत कम समय में 250 से अधिक खिलाड़ी अपना पंजीयन कराके प्रशिक्षण का का लाभ उठा रहे हैं। वर्तमान में चार सुव्यवस्थित प्रशिक्षण स्लॉट्स में हर दिन 100 से अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कैंप का उद्देश्य बच्चों में टेनिस के खेल के प्रति जुनून जगाना और उन्हें एक पेशेवर खिलाड़ी के रूप में कौशल विकसित करने में मदद करना है। प्रशिक्षण कैंप में पूर्व अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी एवं उच्च स्तर के टेनिस कोच के माध्यम से प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। सुबह और शाम दोनों समय आयोजित किए जाने वाले इस कैंप को व्यस्त गर्मियों के कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। प्रत्येक सत्र में उच्च गुणवत्ता वाले टेनिस उपकरण जैसे रैकेट, बॉल, कोन और मार्कर उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके अलावा, प्रत्येक सत्र के दौरान एक समर्पित महिला फिजियोथेरेपिस्ट भी मौजूद रहती हैं ताकि सुरक्षा और चोट से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। यह कैंप केवल एक प्रशिक्षण स्थल ही नहीं बल्कि बच्चों के लिए एक सुरक्षित, मजेदार और प्रेरणादायक स्थान साबित हुआ है, जहाँ वे कोर्ट पर और उससे बाहर भी व्यक्तिगत विकास कर सकें।

नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ की टीम रवाना

रायपुर। इंदौर में 28 मई से 31 मई तक आयोजित 5वीं फास्ट फाइव एवं दूसरी मिक्स सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेने छत्तीसगढ़ की टीम रवाना हो गई है। नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के सचिव राजेश राठौर ने बताया की छत्तीसगढ़ की बालकों की टीम में मितांश बजाज (रायपुर),प्रथम यदु (रायपुर), नूतन (जांजगीर), दामोदर (धमतरी), आयुष रात्रे (रायपुर), सत्य सागर साहू (महासमुंद), फरहान (दुर्ग), एसपी शुभम (दुर्ग), कृष्णा (धमतरी), आदित्य यादव (बिलासपुर) अतिरिक्त खिलाड़ी आयुष बाड़ी (सरगुजा) और ऋषि चौहान (जांजगीर), बालिकाओं की टीम में धनेश्वरी (धमतरी), जाह्नवी (धमतरी), कोमल (धमतरी), श्रुति (दुर्ग), नाजिया (दुर्ग), सुषमा नायक (रायपुर), संजना मिंज (सरगुजा), अग्रिमा साहू (जांजगीर), सौम्या खान (महासमुंद), आंचल बंजारे (बिलासपुर), अतिरिक्त खिलाड़ी प्रियांशी (दुर्ग) और विद्या (धमतरी) शामिल हैं।

छत्तीसगढ मिक्स नेटबॉल टीम में नूतन कंवर (जांजगीर-चांपा), अमन ठाकुर (सरगुजा), जितेश कुमार (रायपुर), तोमर (धमतार), इलेश कुमार (बिलासपुर), तिनकेश (दुर्ग), अर्पिता (रायपुर), प्रियांशी (दुर्ग), (धमतरी), नैंसी बिंद (सरगुजा), अग्रिमा साहू (जांजगीर-चांपा), अदिति बंसोड़ (दुर्ग), अतिरिक्त खिलाड़ी प्रथम यदु (रायपुर) और धनेश्वरी (धमतरी) शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ की बालक टीम के कोच निहाल पांडे (जांजगीर-चांपा) हैं। एवं मैनेजर प्रशांत कहरा (जांजगीर-चांपा) हैं। बालिका टीम की कोच पूनम निषाद (धमतरी) को बनाया गया है नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष मीना केरकेट्टा ने सभी चयनकर्ताओं को बधाई दी है।

एशियाई जुजीत्सु चैंपियनशिप में वसुंधरा ने जीता ब्रॉन्ज़ मेडल

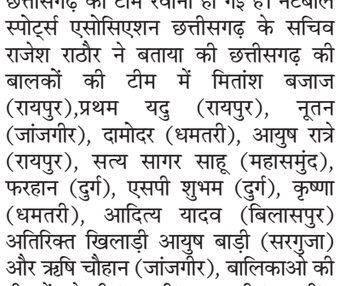

रायपुर। अम्मान जॉर्डन में 23 से 26 मई तक हुई 9 वी एशियाई जुजीत्सु चैंपियनशिप में भारतीय दल में छत्तीसगढ़ से गई डोंगरगढ़ की फाइटर राणा वसुंधरा सिंह 63 किलोग्राम वजन समूह में तीन इवेंट नवाजा, फाइटिंग सिस्टम, मिक्स डूओ फाइटिंग में भाग लेते हुए क्रमशः वियतनाम, जॉर्डन, कज़ाख़िस्तान और थाईलैंड से फाइट करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। वसुंधरा के प्रशिक्षक एवं पिता राणा अजय सिंह में जानकारी दी कि राणा वसुंधरा सिंह को एशिया में चौथी रैंक प्राप्त हुई है। भारतीय दल का नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्वागत होगा। छत्तीसगढ़ से दो खिलाड़ी वसुंधरा सिंह एवं जतिन राहुल इस प्रतियोगिता में शामिल थे।

महिलाओं में कुछ बीमारियों का खतरा होता है ज्यादा

गंभीर बीमारियों की चपेट में जल्दी आती हैं महिलाएं बचाव के लिए कम उम्र से ही कीजिए जरूरी उपाय

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, महिलाएं कई गंभीर बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाती हैं, कई बीमारियां ऐसी भी होती हैं जो पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिलती हैं। यही कारण है डॉक्टर कम उम्र से ही सभी महिलाओं को अपनी सेहत को लेकर सावधान रहने की सलाह देते हैं। दुनियाभर में जिस तरह से क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है, इसके चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। स्वस्थ जीवन जीने की चाहत हर किसी की होती है, लेकिन गड़बड़ जीवनशैली, तनाव, खानपान की आदतों और हार्मोनल बदलाव कम उम्र में ही कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, महिलाएं कई गंभीर बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाती हैं, कई बीमारियां ऐसी भी होती हैं जो पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिलती हैं। यही कारण है डॉक्टर कम उम्र से ही सभी महिलाओं को अपनी सेहत को लेकर सावधान रहने की सलाह देते हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य देखभाल में लैंगिक असमानताओं को दूर करने, समग्र कल्याण को बढ़ावा देने, बीमारियों से बचाव को लेकर सावधान और जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 28 मई को अंतरराष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस साल भी बुधवार को दुनिया भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता आ सके।

आर्थराइटिस की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, वैसे तो बीमारियां किसी को भी और किसी भी उम्र में हो सकती हैं, हालांकि 50 की उम्र के बाद महिलाओं की सेहत कई प्रकार से प्रभावित होने लग जाती है। इसके पीछे कई जैविक, हार्मोनल और जीवनशैली संबंधी कारण जिम्मेदार हो सकते हैं।

यही वजह है कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं में हृदय रोग, डायबिटीज, आर्थराइटिस, सांस की समस्या और एनीमिया के मामले काफी ज्यादा देखे जाते हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी, वजन बढ़ना और अनुचित खानपान के कारण भी आपमें गठिया का जोखिम अधिक हो सकता है।

महिलाओं में थायरॉइड का जोखिम

अमेरिकन थायरॉइड एसोसिएशन के अनुसार, दुनियाभर में 200 मिलियन (20 करोड़) से अधिक लोग इस विकार का शिकार हैं। थायरॉइड विकार बच्चों से लेकर बुजुर्गों, महिला-पुरुष किसी को भी हो सकता है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि महिलाओं को पुरुषों की तुलना में थायरॉइड की समस्याओं का अधिक जोखिम होता है।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में थायरॉइड विकार की आशंका 8 से 10 गुना अधिक होती है। महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन (जैसे प्रेग्नेंसी, पीरियड्स, मेनोपॉज आदि) उन्हें इस विकार के प्रति अधिक संवेदनशील बना देते हैं।

हृदय रोगों के बढ़ते मामले

हृदय रोग का खतरा भी दुनियाभर में बड़ी संख्या में महिलाओं को प्रभावित करता है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लाखों महिलाएं दिल की बीमारियों के कारण जान गंवाती हैं। महिलाओं में बढ़ते हृदय रोग के मामलों के लिए एस्ट्रोजन हार्मोन के असंतुलन को एक बड़ा कारण माना जाता है जिससे रक्त

वाहिकाओं पर असर पड़ता है।

तनाव और अवसाद की समस्या भी महिलाओं में अधिक देखी जाती है, जो हृदय रोग को बढ़ा सकती है। नियमित व्यायाम और ब्लड प्रेशर की जांच, संतुलित आहार के साथ धूम्रपान और शराब से दूरी बनाकर आप हृदय रोगों से बची रह सकती हैं।

कुछ प्रकार के कैंसर के मामले भी महिलाओं को अधिक प्रभावित करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, स्तन कैंसर महिलाओं में सबसे आम कैंसर है। भारत में भी यह कैंसर काफी तेजी से बढ़ रहा है।

वेट लॉस ही नहीं, इन वजहों से भी जरूरी है बॉडी हाइड्रेशन का ख्याल

अक्सर लोग यह मानते हैं कि वेट लॉस के लिए बॉडी हाइड्रेशन का ख्याल रखना जरूरी है। लेकिन वास्तव में यह आपके शरीर के लिए कई मायनों में आवश्यक है।

पानी शरीर के लिए अमृत से कम नहीं है। लेकिन अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग अपनी वेट लॉस जर्नी पर होते हैं, तभी वे अपने वाटर इनटेक पर फोकस करते हैं। यह सच है कि वजन कम करने में पानी काफी मददगार होता है। लेकिन वास्तव में यह सिर्फ वजन घटाने के लिए नहीं, बल्कि आपकी ओवर ऑल हेल्थ का ख्याल भी रखता है। पानी की मदद से थकान दूर होती है, पाचन तंत्र ठीक रहता है। यहां तक कि बॉडी हाइड्रेशन का ख्याल रखने से आपकी स्किन भी ग्लो करती है। अमूमन लोग अपनी भागदौड़ भरी जिन्दगी में पानी पीना भूल जाते हैं, जिससे आपकी सेहत पर उल्टा असर पड़ सकता है।

अगर आप यह सोचते हैं कि पानी सिर्फ आपका वजन ही कम नहीं करता है, तो आप यकीनन काफी गलत है। सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन ऋतु पुरी आपको बता रही हैं कि बॉडी हाइड्रेशन आपके लिए क्यों जरूरी है-

एनर्जी बूस्टर की तरह करता है काम

आपको शायद पता ना हो, लेकिन पानी शरीर के लिए एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। अगर आपको किसी वजह से थकावट का अहसास हो रहा है तो हो सकता है कि आपका शरीर थोड़ा डिहाइड्रेट हो गया हो। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ऐसे में सेल्स स्लो काम करते हैं और व्यक्ति को शरीर में एनर्जी कम महसूस होती है। उस वक्त अगर आप बस 1-2 ग्लास पानी पी लेते हैं तो ऐसे में आपको एकदम से फ्रेश और एक्टिव फील कर सकती हो।

स्किन में आता है ग्लो

आज के समय में लोग ग्लोइंग स्किन पाने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन अगर शरीर में पानी की कमी होती है तो इससे स्किन डल व ड्राई नजर आती है। यही वजह है कि बॉडी हाइड्रेशन से स्किन को काफी लाभ मिलता है। जब शरीर पूरा हाइड्रेटेड होता है, तो स्किन अंदर से हेल्दी बनती है। ऐसे में स्किन ग्लोइंग और यंगर बनती है। महज हर दिन सही मात्रा में पानी पीना आपकी स्किन का सबसे अच्छा साथी साबित हो सकता है।

पाचन रहता है एकदम फिट

बॉडी हाइड्रेशन का ख्याल रखने से पाचन तंत्र पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब आप सही मात्रा में पानी पीते हैं तो इससे आपको कब्ज की शिकायत नहीं होती है। साथ ही साथ, खाने के डाइजेशन में भी काफी मदद मिलती है। शायद यही वजह है कि सुबह उठते ही सबसे पहले पानी पीने की सलाह दी जाती है।

सिरदर्द में मिल सकता है आराम

बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि सिरदर्द का एक मुख्य कारण बॉडी डिहाइड्रेशन भी हो सकता है। जब आप सही मात्रा में पानी नहीं पीते हैं तो इससे दिमाग को सही हाइड्रेशन नहीं मिल पाता और ब्लड फ्लो धीमा हो जाता है। ऐसे में व्यक्ति को सिरदर्द की समस्या का सामना करना पड़ता है। इसलिए, अगर आपको सिरदर्द हो रहा है तो दर्द की गोली लेने से पहले एक गिलास पानी पीकर देखें।

कांच के कंटेनर से स्टीकर हटाने में आपको भी होती है मुश्किल तो वायरल हैक्स करें ट्राई

आपके घर में भी जब बाहर से नए जार या कोई सामान कांच के जार में आता होगा तो उसपर टैग लगा होता होगा। ऐसे में उस प्रोडक्ट के खत्म हो जाने के बाद हम उसे यूज करने के लिए उसके ऊपर से टैग हटाते हैं, लेकिन यह आसानी से हटता नहीं है। ऐसे में आज हम आपको कांच के जार पर लगे स्टिकर को हटाने के कुछ हैक्स लेकर आए हैं। जिन्हें आप भी आजमाकर देख सकती हैं।

गर्म पानी में नमक डालें

आप यदि अपने किसी भी कांच के जार से स्टीकर हटाने का सोच रही हैं, तो आप गर्म पानी लेकर उसमें थोड़ा नमक मिक्स करें। इसके बाद आप इसमें कांच का जार डाल दें। जार को करीब 10 मिनट के लिए गर्म पानी में पड़ा रहने दें। फिर आप हाथों की मदद से स्टीकर को धीरे-धीरे रगड़ें। स्टीकर का पेपर पूरा हट जाएगा। ध्यान रहे आपको ज्यादा गर्म पानी में कांच का जार नहीं डालना है। इससे यह फट सकता है।

हेयर ड्रायर का करें इस्तेमाल

कांच के जार पर लगा स्टीकर हटाने के लिए आप बाल को सुखाने वाला हेयर ड्रायर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको हेयर ड्रायर लेकर स्टीकर पर चलाना है। जब स्टीकर हल्का गर्म हो जाए तो उसे किसी नुकीली चीज से हटाने की कोशिश करें। ध्यान रहे ज्यादा देर तक आपको स्टीकर पर हेयर ड्रायर का यूज नहीं करना है।

भाप से करें साफ

भाप से भी कांच के जार से स्टीकर हटाया जा सकता है। इसके लिए आपको एक बर्तन में पानी भरकर उसे जैसा पर रखना है। अब उसपर आपको छेद वाली छलनी रखनी है। इस छलनी पर आपको कांच की बोतल स्टीकर की साइड से रखकर ऊपर से किसी प्लेट की मदद से ढक देना है। थोड़ी देर बाद आप प्लेट को हटाएं और चाकू की मदद से स्टीकर को हटाने की कोशिश करें। यहां भी आपको ज्यादा देर के लिए जार को भाप में नहीं रखना है।

नारियल का तेल

शायद आपको सुनकर अजीब लगेगा कि नारियल के तेल की मदद से भी कांच के जार से स्टीकर को हटाया जा सकता है। इसके लिए आपको हाथों में कोकोनट आयल लेकर स्टीकर पर अच्छी तरह लगाकर छोड़ देना है। थोड़ी देर बाद कागज फूल जाएगा और अब आप उंगलियों की मदद से इसे हटाने की कोशिश करें।

नेल पेंट रिमूवर

कांच के कंटेनर से स्टीकर हटाने के लिए आपको एक कपड़े में नेल पेंट रिमूवर लेना है। अब आपको उसे स्टीकर पर रगड़ना है।

गर्मी में घर पर मलाई कुल्फी बनाते समय ये टिप्स बनाएं उसे बेहद टेस्टी

अगर आप घर पर मलाई कुल्फी बना रही है और आप उसके टेस्ट को और भी बेहतर बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो कर सकती हैं।

अगर आप मलाई कुल्फी का वह क्रीमी और ऑथेंटिक टेस्ट पाना चाहती हैं तो ऐसे में आप हमेशा फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करें। दरअसल, इसमें फैट ज़्यादा होता है, जिससे कुल्फी गाढ़ी और मलाईदार बनती है। साथ ही, इससे बर्फ के क्रिस्टल्स नहीं बनते और कुल्फी का टेक्सचर बिल्कुल वैसा आता है, जैसा आना चाहिए।

दूध को धीमी आंच पर उबालें

मलाई कुल्फी बनाते समय दूध में एक गाढ़ापन होना चाहिए और इसके लिए दूध को धीमी आंच पर उबालना काफी अच्छा रहता है। इससे दूध में एक मिठास और टेस्ट आता है, जिससे कुल्फी को रबड़ी जैसा गाढ़ापन और बेहतरीन टेस्ट भी मिलता है।

कंडेस्ड मिल्क का करें इस्तेमाल

वैसे घर पर मलाई कुल्फी बनाते समय कंडेस्ड मिल्क का इस्तेमाल करना जरूरी नहीं है। लेकिन इससे यकीनन कुल्फी का टेस्ट काफी अच्छा आता है। इससे कुल्फी गाढ़ी भी बनती है और टाइम भी बचता है। कंडेस्ड मिल्क से कुल्फी को क्रीमी टेक्सचर, हल्की कारमेल सी मिठास मिलती है। लोग कुल्फी बनाते समय इलायची पाउडर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ताज़ी कुटी इलायची की खुशबू पिसी हुई पाउडर से ज़्यादा दमदार होती है। जिससे कुल्फी की खुशबू और टेस्ट दोनों ही बेहतर होते हैं।

कार्नर न्यूज

फाइबर का सुपरफूड मिलेगा आपको दूसरे बीजों से भी

प्रचुर मात्रा में प्रोटीन चाहिए तो सिर्फ चिया सीड्स ही नहीं, कुछ और बीज भी कीजिए इस्तेमाल

चिया सीड्स को प्रोटीन और फाइबर का सुपरफूड माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं इसके अलावा कई सीड्स हैं जो जिसमें प्रोटीन प्रचुर मात्रा में मिलता है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में प्रोटीन का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। शरीर की हर कोशिका के निर्माण से लेकर मांसपेशियों की मजबूती, हार्मोनल संतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने तक, प्रोटीन अहम भूमिका निभाता है। जब प्रोटीन के स्रोतों की बात आती है, तो अधिकतर लोग मांसाहारी भोजन या डेयरी उत्पादों पर निर्भर करते हैं।

वहीं, शाकाहारी और वीगन डाइट फॉलो करने वाले अक्सर चिया सीड्स को प्रोटीन का एक मुख्य स्रोत मानते हैं, और इसमें कोई संदेह नहीं कि यह एक बेहतरीन विकल्प है। हालांकि, प्रकृति ने हमें ऐसे कई और छोटे, लेकिन बेहद शक्तिशाली विकल्प दिए हैं जो प्रोटीन से भरपूर होने के साथ-साथ अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का भी खजाना हैं।

भांग के बीज

भांग के बीज प्रोटीन का शानदार स्रोत हैं। 100 ग्राम भांग के बीज में लगभग 31-33 ग्राम प्रोटीन होता है, जो शाकाहारी लोगों के लिए मांस का बेहतरीन विकल्प है। इनमें सभी 9 आवश्यक अमीनो एसिड्स मौजूद होते हैं, जो मांसपेशियों के विकास और एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करते हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज, जिन्हें पेपिटास भी कहते हैं, प्रोटीन का पावरहाउस माना जाता हैं। 100 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 24-25 ग्राम प्रोटीन होता है। इनमें जिंक, मैग्नीशियम, आयरन और फाइबर भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो हड्डियों, इम्यूनिटी और पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। कद्दू के बीज खाने से नींद की गुणवत्ता सुधरती है, क्योंकि इनमें ट्रिप्टोफैन होता है, जो मेलाटोनिन हार्मोन को बढ़ाता

है। इन्हें भूनकर स्नैक के रूप में, सलाद में या स्मूदी में डालकर खा सकते हैं।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी का बीज प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं, जिनमें 100 ग्राम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है। इसमें विटामिन ई, सेलेनियम और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो त्वचा, बालों और हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। सूरजमुखी का बीज कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इन्हें भूनकर या कच्चा सलाद, ओट्स या दही में मिलाकर खाया जा सकता है।

तिल के बीज

तिल के बीज, जो सफेद और काले दोनों रूपों में उपलब्ध हैं, प्रोटीन से भरपूर होते हैं। 100 ग्राम तिल में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है। इनमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और विटामिन बी भी पाए जाते हैं, जो हड्डियों और हार्मोनल संतुलन के लिए जरूरी हैं। तिल का तेल और बीज पाचन को बेहतर बनाते हैं और अर्थराइटिस के दर्द से राहत दिलाते हैं।

thelioncity_30_may_2025.qxd 5/29/2025 8:53 PM Page 8

दैनिक द लॉयन सिटी- संत हिरदाराम नगर- भोपाल को नंबर वन लाने की मुहिम और लोगों को जागरूक करने के लिए नगर निगम की टीम के साथ स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर द लॉयन सिटी वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारी ने तपती धूप में सफाई अभियान छेड़ा इस अभियान का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना और भोपाल को स्वच्छता में नंबर वन लाना रहा । इस मौके पर विशेष रूप से समिति के अध्यक्ष कमलेश रायचंदानी महासचिव जितेश सदारंगानी उपाध्यक्ष मुन्ना आडतानी, हरीश कुमार लालवानी प्रकाश तनवानी के साथ नगर निगम से अंकित, वार्ड दरोगा, अनिल, वार्ड दरोगा योगेश आदी रहे यह अभियान वार्ड तीन और पांच में किया गया जिसमें मुख्य रूप से साई झूलेलाल विसर्जन घाट और बोरवन पार्क में किया गया

बहन सुशीला देवी की पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई गई

दैनिक द लॉयन सिटी - संत हिरदाराम नगर - संत हिरदाराम नगर के वरिष्ठ समाजसेवी किशन आसूदानी की बहन स्व0 सुशीला देवी की पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ माता ईश्वरी देवी सुशीला भवन धर्मशाला में मनाई गई। सर्वप्रथम धार्मिक कार्यक्रमों के साथ पूजा पाठ किया गया। इसके पश्चात् विशाल आम भंडारे का आयोजन भी किया गया। आम भंडारे में लगभग 2000 धर्मप्रेमी बंधुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालो में किशन आसूदानी, श्रीमती छाया आसूदानी, मनोज आसूदानी, हरजीत आसूदानी, के अलावा पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी, कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी, भाजपा नेता राम बसंल, उप ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस घनश्याम लालवानी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष मनीष बागवानी, घनश्याम वासवानी, भरत आसवानी, नंद दादलानी, माधव पारदासानी, माखन सिंह राजपूत, महेश खटवानी, शेटटी चंदनानी, अनिल टेकचंदानी, शेरु रीझवानी, बबलू टेकचंदानी, हेमू भाई, राजा छुगानी, कन्हैया बागवानी आदि शामिल है।

महाराणा प्रताप की जयंती पर शहरभर में धूमधाम से निकली रैलियां

संवाददाता, भोपाल। शहरभर में आज महाराणा प्रताप की 485वीं जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। इस अवसर पर राजधानी के कई इलाकों में सुबह से ही रैली और कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। राजपूत समाज के अनेक संगठनों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और शौर्य यात्राएं निकाली जा रही है। वहीं, एमपी नगर में महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर समाज द्वारा माल्यार्पण किया जा रहा है। मप्र राजपूत समाज संस्था की ओर से चार इमली के महाराणा प्रताप भवन में धूमधाम से मनाया जाएगा। स्मृति छात्रवृत्ति योजना के तहत मेधावी विद्यार्थियों के लिए पहल करते हुए कमजोर वर्ग के मेधावी 101 विद्यार्थियों को सहायता दी जाएगी। समाज के महासचिव दीपक चौहान ने बताया कि इस मौके पर महाराणा प्रताप के जीवन पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता शाम को होगी। शाम को 6 बजे से समारोह शुरू होगा।

राजपूत महापंचायत का चल समारोह: महाराणा प्रताप जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में राजपूत महापंचायत और सहयोगी संगठनों की ओर से आकर्षक चल समारोह निकाला जा रहा है। चल समारोह शाम 5 बजे एमपी नगर महाराणा प्रताप प्रतिमा के सामने से प्रारंभ होगा। चल समारोह में ढोल, तासे, घोड़े, अखाड़े आदि शामिल रहे।

चिनार पार्क से महाराणा सेना इकाई द्वारा आयोजन

महाराणा सेना इकाई द्वारा आज चिनार पार्क से रैली निकाली गई। इस यात्रा को लेकर बंटी राजपूत एवं सतीश राजपूत ने बताया कि सभी राजपूत बंधु राजपूताना परिधान पहनकर यात्रा में शामिल होंगे। महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

प्रांतीय नामदेव छीपा महासभा की बैठक सम्पन्न, कार्यकारिणी गठित

भोपाल। मप्र प्रांतीय श्री नामदेव छीपा महासभा के अगले पांच वर्ष हेतु चुनाव अधिकारी सुरेन्द्र बाड़ीका द्वारा निर्वाचन कराए गए। इसमें मप्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष जेपी धनोपिया एडवोकेट को पुनः अध्यक्ष चुना गया। वैष्णव छीपा समाज भोपाल के अध्यक्ष कमलेश आर्य के अनुसार कार्यक्रम में अखिल भारतीय श्री नामदेव छीपा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीराम सोपरा जयपुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेजर जेपी वर्मा बड़ोदरा, राष्ट्रीय महासचिव अवधेश पाण्डेय जयपुर आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री माँ तुझे प्रणाम महिला प्रतिभागियों की बस को करेंगे रवाना

'अहिल्या वाहिनी' प्रदेशव्यापी महिला बाइक रैली शुक्रवार को

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 30 मई को प्रदेशव्यापी महिला बाइक रैली अहिल्या वाहिनी'' में शामिल होंगे। यह रैली शौर्य स्मारक से सुबह 9 बजे शुरू होगी। रैली में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, पिछडा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री बहनों से संवाद करेंगे। वाहन रैली शौर्य स्मारक से शुरू होकर 1250, अंकुर स्कूल से अपेक्स बैंक तिराहा, न्यू मार्केट से रोशनपुरा, रंग महल से जवाहर चौक, अटल पथ से प्लेटिनम प्लाजा चौराहा, अपेक्स बैंक तिराहा से लिंक रोड नबंर एक, 1250 से व्यापम चौराहा होते हुए शौर्य स्मारक पर समाप्त होगी।

डीईओ के पद रिक्त होने से गड़बड़ाया प्रशासनिक काम

जिलों में डीईओ की पोस्टिंग के लिए बुलाए नाम, एग्जामिन कमेटी लेगी फैसला

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में जिला शिक्षा अधिकारियों की पद खाली होने से स्कूल शिक्षा विभाग के प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं और सरकार को जुगाड़ से प्रभारी डीईओ की कुर्सी हासिल करने वालों का सहारा लेना पड़ रहा है। इसे देखते हुए अब जिला शिक्षा अधिकारियों के चयन के लिए एक एग्जामिन प्रोसेस पूरी करके सरकार जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) पदस्थ करना चाहती है और इसके लिए सभी जिलों से इस पद के लिए योग्य अधिकारियों, प्राचार्यों की जानकारी तलब की गई है। साथ ही डीईओ बनने के लिए सहमति देने वालों को लोक शिक्षण संचालनालय में 29 मई को बुलाया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मंगलवार को जारी निर्देश में जिला शिक्षा अधिकारियों के पदों की पूर्ति को लेकर सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि प्रशासनिक कार्य डीईओ के पद रिक्त होने से प्रभावित हो रहे हैं। इसके लिए संचालनालय स्तर पर एक परीक्षण समिति (एग्जामिन कमेटी) बनाई गई है। यह कमेटी डीईओ बनने के लिए इच्छुक प्राचार्यों और विभाग के अन्य पात्र अधिकारियों के चयन का काम करेगी। सभी डीईओ को निर्देश देकर कहा गया है कि विभाग में काम करने वाले लोक सेवकों से एक फार्मेट में सहमति और असहमति ली जाए और संचालनालय को जानकारी भेजी जाए कि डीईओ बनने के लिए जिले के संबंधित अधिकारी सहमत हैं या नहीं हैं। जिनके द्वारा सहमति दी जाएगी उन्हें 29 ई को सुबह 11 बजे लोक शिक्षण संचालनालय में एग्जामिन कमेटी के सामने हाजिर होना है। इसके बाद उनके बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। जिनके नाम भेजे जाएंगे उनकी वर्तमान पदस्थापना, सीनियरिटी के बारे में भी विभाग को अवगत कराने के लिए कहा गया है।

विभागीय जांच, एफआईआर दर्ज की भी जानकारी मांगी

सभी डीईओ से कहा गया है कि जिनके नाम सहमति के तौर पर भेजे जाएंगे उनके विरुद्ध किसी तरह की विभागीय जांच शुरू नहीं होनी चाहिए। साथ ही किसी तरह के अपराधिक प्रकरण, लोकायुक्त केस, ईओडब्ल्यू संबंधी जांच या केस दर्ज होने की स्थिति में इसकी भी

आनंद नगर से अयोध्याा नगर तक जंबूरी मैदान में बनाई जा रही अस्थायी सड़क

जंबूरी में 30 हजार वाहनों को पार्क करने की व्यवस्था

पोस्टरों से पटा अन्ना नगर से जंबूरी तक का मैदान

उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सिंगल पोस्टरों से पूरा मार्ग पटा हुआ है। पूरे मार्ग पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पोस्टर के साथ 31 मई को देवी अहिल्या देवी की जयंती से जुड़े कार्यक्रम की जानकारी है।

भोपाल (नगर संवाददाता)

देवी अहिल्या की 300वीं जयंती के मौके पर राजधानी भोपाल में 31 मई को भव्य कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमें प्रदेशभर से डेढ़ लाख महिलाओं को जुटने का अनुमान है। मुख्य कार्यक्रम जंबूरी मैदान में होगा जहां प्रदेशभर के विभिन्न शहरों से आनेवाले वाहनों के लिए पार्किंग की बेहतर व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए आनंद नगर से सटे मुख्य मार्ग से लेकर जंबूरी मैदान अवधपुरी तक पूरे मैदान में अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है। ऐसे में सीहोर, रायसेन और अन्य मार्गो से आनेवाले वाहनों के लिए पार्किंग बनाई जा रही है। इसके लिए यानी करीब तीन किमी लंबे एरिया में अस्थायी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इससे पूर्व एक छोटी सड़क भेल की इस खाली जमीन में पूर्व में बनाई गई है लेकिन अब कार्यक्रम में आनेवाले आंगतुकों के लिए पार्किंग की विशेष व्यवस्था की जा रही है ताकि लोगों की आवाजाही आसानी से हो सके। करीब चालीस हजार वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है। ऐसे में कार्यक्रम में शामिल लोगों को करीब एक से दो किमी पैदल चलना होगा।

बारिश के बाद अब वाटरप्रुफ शेड लगाया जा रहा: बारिश के चलते जंबूरी मैदान में होनेवाले कार्यक्रम के लिए वाटरप्रुफ टेंट लगाया जा रहा है। इसके लिए दिनरात काम चल रहा है। कार्यक्रम स्थल पर तय समय पर सारी व्यवस्थाएं समय पर हो इसको ध्यान में रखकर प्रशासन स्तर पर पूरी तैयारियों की मॉनिटरिंग की जा रही है। इस कार्यक्रम में लगे विभिन्न विभागों जिनमें लोकनिर्माण विभाग, नगर निगम सहित अन्य सरकारी एजेंसियां इनकी निगरानी कर रही है।

हेलीपेड बनाने का काम जारी: उधर कार्यक्रम स्थल के पास ही मशीनों की मदद से हेलीपेड बनाया जा रहा है। चूंकि बारिश का मौसम है लिहाजा हेलीपेड स्थल पर डामरीकरण तेजी से किया जा रहा है।

अन्ना नगर से जंबूरी मैदान तक का हो रहा कायाकल्प

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के चलते अन्ना नगर से लेकर जंबूरी मैदान अवधपुरी तक सड़क का कायाकल्प चल रहा है। इसके अलावा डिवाइडर की पुताई इस पर लगे पौधों को बदला जा रहा है। साथ ही जंबूरी तक आनेवाले इस मार्ग पर जहां अतिक्रमण है उसे हटाया जा रहा है। इसके अलावा बिजली की टेस्टिंग और मंच स्थल के आसपास की सज्जा का काम भी तेजी से किया जा रहा है।

जंबूरी मैदान के आसपास के 5 किलोमीटर का क्षेत्र नो-फ्लाई जोन घोषित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भोपाल आगमन के दृष्टिगत उनके जेड प्लस सुरक्षा दर्जे एवं एसपीजी सुरक्षा कवर को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष सुरक्षा व्यवस्था के लिये आदेश जारी किये गये हैं। पुलिस उपायुक्त, आसूचना एवं सुरक्षा नगरीय पुलिस सुश्री सोनाक्षी सक्सेना द्वारा जारी आदेश में प्रधानमंत्री मोदी का भ्रमण कार्यक्रम 31 मई को जम्बूरी मैदान में प्रस्तावित है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कार्यक्रम स्थल से 05 किलोमीटर की परिधि में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट बैलून एवं अन्य फ्लाईंग ऑब्जेक्ट्स के उड़ान पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध 31 मई शनिवार को प्रातः 6 बजे से सायं 4 बजे तक रहेगा। उक्त क्षेत्र को रेड जोन तथा नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। कमर्शियल फ्लाइट्स इस प्रतिबंधात्मक आदेश से मुक्त रहेंगी।

31 मई को देवी अहिल्या बाई जंयती पर जुटेंगे डेढ़ लाख लोग

भोपाल। राजधानी भोपाल के जंबूरी मैदान में 31 मई को देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वी जयंती पर महिला सशक्तीकरण सम्मेलन होने जा रहा है। इसको लेकर लगभग 5000 बसों से प्रदेश के विभिन्न जिलों से महिलाओं के आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम के दौरान मार्ग, पार्किंग व यातायात व्यवस्था में भोपाल की यातायात पुलिस ने मार्ग परिवर्तित किए है।

इंदौर, खंडवा, उज्जैन देवास की ओर से आनेवाले वाहनों के लिए यह रहेगी व्यवस्था : इन्दौर, खण्डवा, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, की ओर से आने वाले- समस्त प्रकार के बस वाहन खजूरी सड़क, बकानियॉ डिपो होते हुए मुबारकपुर, लाम्बाखेड़ा, चैपड़ाकला, पटेल नगर बायपास, आंनदनगर से जम्बूरी मैदान कट पाईट का उपयोग करते हुए बसें जम्बूरी मैदान पार्किंग स्थल में पार्क करेंगे ।

राजगढ़ से आनेवाले वाहन पटेल नगर होते हुए पहुंचेंगे जंबूरी : राजगढ़ (ब्यावरा), गुना, अशोक नगर की ओर से आने वाले- समस्त प्रकार के बस वाहन मुबारकपुर जोड़, लांबाखेडा जोड़, चैपड़ाकला जोड़, पटेल नगर बायपास, आंनद नगर से जम्बूरी मैदान कट पाईट का उपयोग करते हुए बसें जम्बूरी मैदान पार्किंग में पार्क करेंगे । सागर रायसेन, विदिषा की ओर से आने वाले- समस्त वाहन पटेल नगर चैराहा से आनंद नगर से जम्बूरी मैदान कट पाईट का उपयोग करते हुए बसें जम्बूरी मैदान पार्किंग में पार्क करेंगे ।

नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल से आनेवाले बरखेड़ा पठानी में होंगे पार्क : नमर्दापुरम, हरदा, बैतुल की ओर से आने वाले- समस्त वाहन 11 मील से मिसरोद रोड, आरआरएल तिराहा, एम्स, बडखेडा पठानी होकर सेण्टजेवियर के पीछे बस पार्किंग में पार्क करेंगे ।

जबलपुर की ओर से आनेवाले वाहन 11 मील तिराहे से पहुंचेंगे खजूरीकला : जबलपुर, नरसिहपुर, की ओर से आने वाले- समस्त वाहन 11 मील, खजूरी कला जोड से बाये मुडकर एसओएस रोड होकर जम्बूरी मैदान पार्किंग में पार्क करेंगे ।

पहली बार एम्स से बंसल हॉस्पिटल तक बना ग्रीन कॉरिडोर, एक किडनी बंसल अस्पताल पहुंची

एम्स में ब्रेन डेड मरीज का अंगदान, तीन लोगों को मिला नया जीवन

भोपाल (नगर संवाददाता)

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में बुधवार को ब्रेन डेड मरीज का अंगदान हुआ। यह पहला सफल अंगदान है। एम्स भोपाल में प्रदेश का ऐसा पहला सरकारी अस्पताल बन गया है, जहां किसी ब्रेन डेड मरीज के अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन हार्वेस्ट) के लिए निकाले गए। ओबेदुल्लागंज के 60 वर्षीय शंकर लाल कुबरे ने मौत के बाद तीन लोगों की जिंदगी को रोशन कर दिया।

एम्स में पिछले एक साल से 'कैडेवर डोनेशन' (ब्रेन डेड व्यक्ति के अंगदान) के प्रयास चल रहे थे। इसके लिए एक समर्पित टीम भी बनाई गई है, जो ब्रेन डेड मरीज के परिजनों को अंगदान के लिए प्रेरित करती है। अब तक 31 ऐसे प्रयास असफल रहे थे, लेकिन शंकर लाल कुबरे का परिवार 32वां प्रयास था, जो सफल रहा। शंकर लाल कुबरे 24 मई को एक सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। गंभीर हालत में उन्हें बेहतर इलाज के लिए एम्स भोपाल लाया गया, लेकिन सोमवार देर रात उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इसके बाद एम्स के डॉक्टरों ने परिजनों को ब्रेन डेड मरीज का अंगदान करने के लिए कहा। एम्स के डॉक्टरों ने बताया परिवार ने अंगदान की बात जिस तरह से सुनी और समझी, वह दूसरों के लिए एक मिसाल है। उन्होंने बताया कि कई बार परिजन अंगदान की बात सुनते ही आक्रोशित हो जाते हैं, लेकिन शंकर कुबरे के दोनों बेटों, बेटी और उनकी पत्नी ने इंसानियत को सबसे ऊपर रखा।

एम्स में दूसरा हार्ट ट्रांसप्लांट और 11वीं किडनी ट्रांसप्लांट

शंकर लाल कुबरे के अंगदान से हार्ट और दो किडनी मिलीं। इनमें से एक हार्ट और एक किडनी एम्स भोपाल में ही जरूरतमंद मरीजों को दी गई है। एम्स में यह 11वां किडनी ट्रांसप्लांट है, जिसमें एक 35 वर्षीय युवक को नया जीवन मिला है। इसके साथ ही प्रदेश का यह दूसरा हार्ट ट्रांसप्लांट भी एम्स भोपाल में सफतापूर्वक चल रहा है। मरीजों की जानकारी गोपनीय रखी गई है। वहीं एक किडनी बंसल अस्पताल के एक मरीज को लगाई जा रही है।

एम्स में ट्रांसप्लांट की सभी व्यवस्थाएं

एम्स ने हार्ट, किडनी ट्रांसप्लांट की सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। हार्ट, किडनी ट्रांसप्लांट के अलावा फेफड़े और लिवर ट्रांसप्लांट की तैयारी भी एम्स में हो रही है। इसके अलावा एम्स जल्द ही बच्चों में किडनी और हार्ट टांसप्लांट भी शुरू करेगा। इसके लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों को प्रशिक्षण भी दिलाया गया है।

पंचायत क्षेत्रों में हुए 300 कामों की होगी जांच, कलेक्टर को देंगे रिपोर्ट

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के ग्रामीण इलाकों में पंचायतों के माध्यम से हो रहे कामों में लगातार मिल रही गड़बड़ियों की शिकायतों के बीच अब पंचायतों में हुए लगभग 300 कामों की जांच होगी और इनकी रिपोर्ट 15 दिन में कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह को सौंपी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक पिछले दिनों पंचायतों में हुए विकास कार्यों के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और घपले की शिकायतें मिलीं हैं, जिसके बाद इस दौरान हुए करीब 300 कामों को जांच के दायरे में लेने की तैयारी है। जिला पंचायत के जनप्रतिनिधियों का कहना है कि इन कामों की जांच के बाद इसकी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपी जाएगी ताकि अगर गड़बड़ी या भ्रष्टाचार मिलता है तो आगे की कार्यवाही हो सके।

कई कामों में मिली गड़बड़ी की शिकायतें

नहीं आई नल जल योजना की जांच रिपोर्ट

पंचायत में विकास कार्यों को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इससे पहले जिला पंचायत की बैठक में नल-जल योजना में हुई गड़बड़ी का मामला भी उठा चुका है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन जाट तो इस मामले को लेकर भूख हड़ताल तक पर बैठ चुके हैं, जिसके बाद जला पंचायत सीईओ ने जांच कमेटी का गठन करके जमीनी हकीकत जानने के लिए रिपोर्ट मंगाई थी, लेकिन जांच के बाद यह रिपोर्ट अब तक नही सौंपी गई है।

स्वात्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक (स्वामी), **जगदीश रायचंदानी** द्वारा सांई प्रिंटर्स ऑफसेट एवं वेब प्रिंटिंग, जिंसी पुलिस चौकी म.नं. 91, शॉप नं. 3 जहांगीराबाद भोपाल म.प्र. 462008 से मुद्रित एवं बी-4 न्यू संत लीलाशाह मार्ग बैरागढ़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित.
सम्पादक कमलेश रायचंदानी (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) मो. 9893056571, E-mail:lioncitybhopal@gmail.com Website : www.thlioncitynews.com